News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ

दिनांक 07 जून, 2024

प्रोफेसरसत्यकाम ने उ प्र राजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के कुलपति का पदभारग्रहणकिया

कुलपति पद का कार्यभारग्रहणकरतेहुए प्रोफेसरसत्यकामजी

एवंचार्जदेतेहुए कार्यवाहककुलपतिडॉ. अखिलेशकुमार सिंह

मुक्तविश्वविद्यालय बनाएगाअपनीब्रांडिंग–प्रोफेसरसत्यकाम

इंदिरागांधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली के प्रतिकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने शुक्रवारदिनांक 07 जून, 2024 कोकार्यवाहककुलपतिप्रोफेसरअखिलेशकुमार सिंह से उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति का पदभारग्रहणकिया। इस अवसरपरनवनियुक्तकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिमुक्तविश्वविद्यालय वर्ष 2047 तकउत्तरप्रदेशमेंउच्चशिक्षा मेंसकलनामांकनअनुपात शत् प्रतिशतलेजाने की दिशामेंतेजी से कार्यकरेगा।उन्होंनेकहाकिशिक्षकविश्वविद्यालय के मेरुदंडहैं। उनके प्रयास से ही यह संकल्पसरकारहोपाएगा।हमारेअंदर यह जज्बाहोनाचाहिए किहमभीकुछकरसकतेहैं।उन्होंनेकहाकिअगर यह लक्ष्य पूराकरलियातोहममजबूतराष्ट्र के रूपमेंउभरेंगे। इस लक्ष्य कोप्राप्तकरनेमेंहमारेसामनेकोई बाधा नहींआएगी।हमसभी के सहयोग से इस बाधा कोपारकरलेंगे।उन्होंनेकहाकिमुक्तविश्वविद्यालय अपनीब्रांडिंगबनानेपरजोरदेगा।विश्वविद्यालय मेंउपलब्ध सूचनाप्रौद्योगिकी का लाभ यहांनामांकितछात्रोंकोमिलेगा।

इस अवसरपरनिवर्तमानकुलपतिप्रोफेसरअखिलेशकुमार सिंह ने नवनियुक्तकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम का स्वागतकरतेहुए कहाकिदूरस्थशिक्षा के क्षेत्र में इतने लंबेवर्षोंतककार्यकरने के अनुभव का लाभ इस मुक्तविश्वविद्यालय कोमिलेगा।मुक्तविश्वविद्यालय की टीमविश्वविद्यालय कोआगे बढ़ानेमेंउनकाभरपूरसहयोगकरेगी।प्रोफेसर सिंह ने पूर्वकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह के कार्यकाल की सराहनाकरतेहुए कहाकिउन्होंने इस विश्वविद्यालय कोकाफीआगे बढ़ाया।इससेपूर्वउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के नवनियुक्तकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम एवंवर्तमानकुलपतिप्रोफेसरअखिलेशकुमार सिंह का स्वागतकुलसचिवकर्नलविनय कुमार ने किया। इस अवसरपरविश्वविद्यालय के निदेशकों, अधिकारियों, शिक्षकों एवंकर्मचारियों ने नवनियुक्तकुलपतिप्रोफेसरसत्यकामकोहार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएंदी।इसकेउपरांतकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने राजभवन के निर्देशपरअंतर्राष्ट्रीय योगदिवसपरविश्वविद्यालय मेंआयोजितकिए जानेवालेकार्यक्रमों की समीक्षा की तथासेन्टरफॉरऑनलाइन एजुकेशन का निरीक्षणकिया।

विश्वविद्यालय
के
नवनियुक्त कुलपति
प्रोफेसर सत्यकामजी
का
स्वागत करते हुए
कार्यवाहक कुलपति
प्रोफेसर अखिलेश कुमार सिंह जी

नवनियुक्तकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम का स्वागतकरतेहुए विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगण

DR PRABHAT MISHRA

DR PRABHAT MISHRA

Forwarded

Prayagraj प्रोफेसर सत्यकाम ने उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के...

प्रयागराज। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रति कुलपति

streetbuzz.co.in

Prayagraj on StreetBuzz covering News : **प्रोफेसर सत्यकाम ने उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति का पदभार ग्रहण किया**

https://streetbuzz.co.in/newsapp/view/post:494528

Follow Prayagraj for Real-time News

Download StreetBuzz App to follow Prayagraj
https://streetbuzz.co.in/newsapp/Prayagraj?profile_uid=18363&ref=true

10 जून, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय में योग विषय के छात्रों की कार्यशाला का आयोजन

योग व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करता है – प्रो0 सत्यकाम

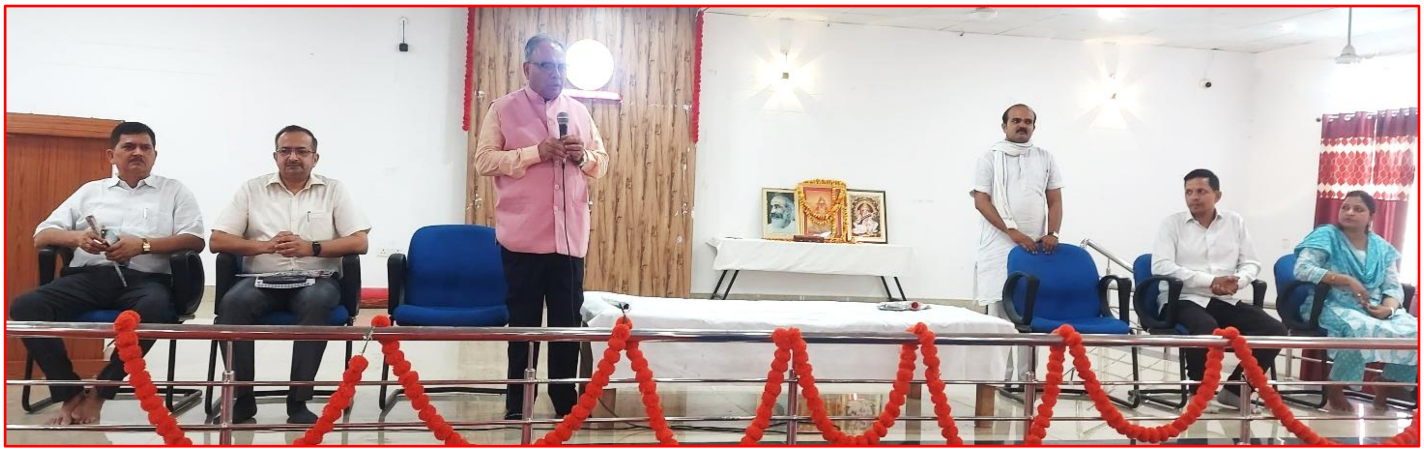

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन में विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज में आज दिांक 10 जून, 2024 को योग विषय के छात्रों की कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने योग विषय के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की भारत में योग प्राचीन समय से चली आ रही जीवन जीने की एक कला है जिसके माध्यम से हम अपना शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक विकास करते हैं योग व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करता है व्यक्ति के विकास के साथ परिवार का विकास एवं राष्ट्र का विकास सुनिश्चित होता है। योग केवल व्यायाम नहीं है यह अपने पूरे अस्तित्व से जोड़ने की एक कला है जिसमें हम निरोगी होते हैं और अपने कार्य कुशलता के साथ करते हैं। उसी के साथ माननीय कुलपति जी ने सभी छात्र–छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान किया की योग शिक्षक बनकर अपने साथ–साथ अपने पूरे समाज एवं राष्ट्र का विकास करें।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, वित्त अधिकारी श्री शशि भूषणसिंह तोमर, स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा की प्रभारी निदेशक प्रोफेसर मीरापाल, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज के समन्वयक डॉ0 अभिषेक सिंह, योग प्रशिक्षक अमित सिंह, श्री अनुराग शुक्ला उपस्थित रहे । प्रशिक्षण कार्यक्रम में योग साधना, आसन, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार ध्यान के अभ्यास कराए गए।

शिष्टाचार भेंट

माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति महोदया श्रीमती आनंदीबेन पटेल

माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति महोदया श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी सपत्नीक शिष्टाचार भेंट करते हुए।

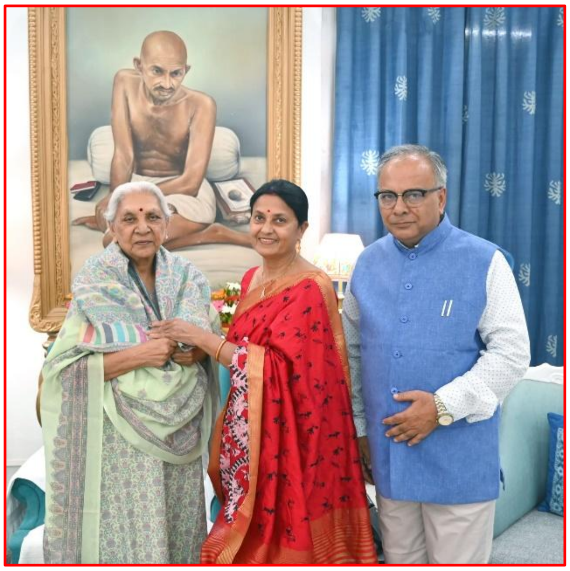

माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति महोदया श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी को विश्वविद्यालय द्वारा महिलाओं एवं छात्र हित में किए जा रहे कार्यो से अवगत कराते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ।

13 जून, 2024

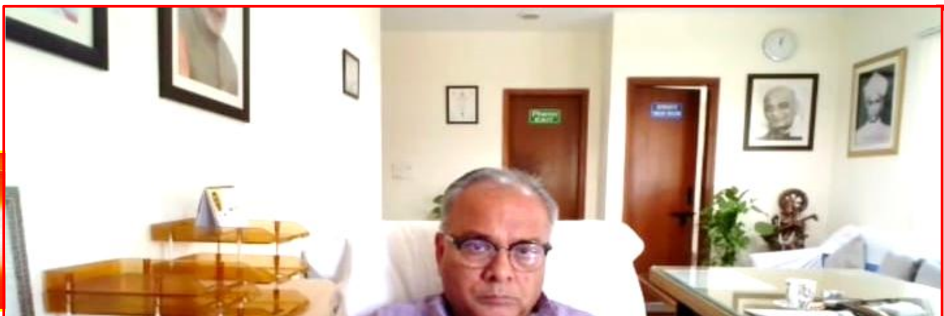

गिनीज बुक में नाम दर्ज कराने के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने लगाया जोर

विश्वविद्यालय लगातार दिला रहा है योग की शपथ

कुलपति ने संभाली कमान,

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम

राजभवन, लखनऊ ने विश्व योग दिवस–2024 के अवसर पर विश्व में सर्वाधिक योग संबंधी शपथ का रिकॉर्ड बनाने के निर्देश मिलने के बाद प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अपने लक्ष्य के बहुत करीब पहुंच चुका है। नवनियुक्त माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की अभिप्रेरणा से विश्वविद्यालय के वर्तमान छात्र–छात्राओं के साथ ही पुरातन छात्रों में भी इस रिकॉर्ड में भागीदार बनने की ललक रंग दिखा रही है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इस दिशा में गंभीर रूप से तैयारी शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने विश्वविद्यालय परिसर क्षेत्र केन्द्रो एवं संबद्ध अध्ययन केन्द्रो से आग्रह किया है कि वह 17 लाख ऑनलाइन शपथ अभियान में शामिल होकर विश्वविद्यालय के शत प्रतिशत लक्ष्य में अपना योगदान करें, जिसे गिनीज वर्ल्ड ऑफ रिकॉर्ड में शामिल किया जा सके।

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि राज भवन ने लगभग 17 लाख ऑनलाइन शपथ एक सप्ताह के अंतर्गत 12 जून से 18 जून 2024 तक की तिथि निर्धारित करके रिकॉर्ड बनाने हेतु ऑनलाइन शपथ का मार्ग प्रशस्त किया है उन्होंने बताया कि प्रदेश की माननीया राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन में इस बनने वाले रिकॉर्ड को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज करने की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों अधिकारियों कर्मचारियों पुरातन छात्रों विद्यार्थियों में उनके परिजनों से अनुरोध किया है कि वह **https:@@rajbhawanyogapledge-in**पर जाकर योग संबंधी ऑनलाइन शपथ में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का नाम दर्ज कर रिकॉर्ड बनाने में अपना सहयोग करें। माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से क्षेत्रीय केन्द्रो के समन्वयकों एवं प्रभारी से भी आग्रह किया कि वह इस अभियान में निर्धारित लक्ष्य को अवश्य पूरा करें उन्होंने बताया कि ऑनलाइन शपथ पूर्ण होने पर ऑनलाइन प्राप्त होने वाले प्रमाण पत्र को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के समन्वयक एवं आयोजन सचिव के साथ साझा करें।

प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि पहले भी हम योग दिवस का आयोजन करते रहे हैं। यह दिवस केवल एक औपचारिकता नहीं होना चाहिए बल्कि यह दिवस अपने दृष्टिकोण को परिवर्तित करने के लिए है। जो अध्यापक हैं वह अपने विद्यार्थियों तक इस विचारधारा और दृष्टिकोण को प्रेषित करें। यही हमारा मुख्य उद्देश्य है।

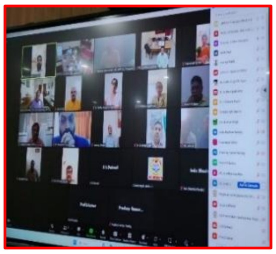

प्रोफेसर सत्यकाम
माननीय कुलपति

प्रोफेसर सत्यकाम ने 'मुझे चांद चाहिए' उपन्यास का जिक्र करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्य एस्ट्रोनॉट हैं। आप जितने अच्छे एस्ट्रोनॉट होंगे, चांद उतना ही करीब होगा। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय के 25 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। सभी लोगों ने इसे सींच कर बहुत आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय हम सब की मां है। जितनी ज्यादा से ज्यादा सेवा करेंगे उतना लाभ मिलेगा। भारतीय परंपरा में मां की सेवा का पुण्य लाभ ज्यादा से ज्यादा मिलता है। हमारा विश्वविद्यालय इन कार्यों के माध्यम से आगे बढ़ेगा।

उन्होंने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए गोद लिए गांव में भी टोलियां बनाकर लोगों को योग के प्रति अभिप्रेरित करने का निर्देश दिया। महिला अध्ययन केंद्र की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र के सदस्य गोद लिए गांवों में जाएं और फील्ड वर्क करें। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि वही विश्वविद्यालय तेजी से आगे बढ़ता है जिसमें अध्यापक पूरी संजीदगी, ईमानदारी और उत्साह से काम करते हैं। अध्यापकों को सबसे ज्यादा चिंता अपने विश्वविद्यालय की एवं विद्यार्थियों की होती है। हम विद्यार्थियों तक पहुंच जाएंगे, हमें इसकी उम्मीद है। उन्होंने कहा कि जितना उत्साह सभी के अंदर लक्ष्य की प्राप्ति को लेकर है उससे आशा जगती है कि हम लक्ष्य को अवश्य पार कर लेंगे।

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कुशल एवं अकुशल कर्मचारियों से मुखातिब होते हुए कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय मातृस्थली भी है और कर्मस्थली भी है और यही से दाना पानी भी है। जहां दाना पानी होता है उस मिट्टी से विशेष लगाव होता है और उस मिट्टी को मस्तक पर लगाकर हम अपने कार्य में जुट जाना चाहते हैं। उन्होंने कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वह बहुत कर्मठ और कर्मशील हैं और अपनी योग्यता का 100प्रतिशत योगदान विश्वविद्यालय के कार्य में कर रहे हैं। माननीय कुलपति ने कहा कि अब एक बड़ा काम आ गया है। गिनीज बुक में उत्तर प्रदेश का नाम दर्ज होना है। इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से हम सभी अपने लक्ष्य को भेदने में अपनी सकारात्मक ऊर्जा एवं सामाजिक प्रतिबद्धता का उपयोग करें और इस अभियान को सफल बनाएं।

इससे पूर्व कुलपति का स्वागत कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशकों एवं वरिष्ठ शिक्षकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मुक्त विश्वविद्याजय द्वारा गोद लिए गॉव में योग के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

विश्व योग दिवस–2024 दिनांक 21 जून 2024 के उपलक्ष्य में गिनीज बुक में नाम दर्ज कराने के लिए विश्व रिकॉर्ड हेतु विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्याशाखा द्वारा गोद लिए गांव, ग्राम बारी खण्ड सोराव ,जनपद प्रयागराज में दिनांक 14 जून, 2024 को विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी के निर्देश पर शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक, प्रो0 पी0 के0 स्टालिन के कुशल नेतृत्व में श्री परविंद कुमार वर्मा, श्रीमती सुषमा सिंह, डॉ0 बाल गोविंद सिंह, डॉ0 शैलेंद्र कुमार, श्रीमती कौमुदी शुक्ला के साथ योग के लिए जागरूकता कार्यक्रम में सभी ग्रामवासियों को जागरूक किया गया तथा अधिक से अधिक संख्या में अपने और अपने परिवारजनों का ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण कराने हेतु सबसे निवेदन किया गया। अस अवसर पर गॉव में उपस्थित अनेक लोगों को ऑनलाइन शपथ दिलाई गई।लोगों की उत्सुकता एवं सहयोग के माध्यम से हम निश्चित रूप से यह कह सकते हैं कि हम सफलता के बहुत नजदीक आ चुके हैं और निश्चित रूप से हम कामयाब होंगे।

योग के लिए जागरूकता कार्यक्रम में सभी ग्रामवासियों को जागरूक करते हुए विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्याशाखा के सदस्यगण तथा कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामवासी

15 जून, 2024

कुलपति ने दिखाई हरी झंडी, दूसरे चरण की परीक्षा सामग्री रवाना

उ. प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून 2024 की परीक्षाएं प्रदेश के 166 केंद्रों पर विगत 11 जून 2024 से प्रारंभ होकर शांतिपूर्ण ढंग से संचालित की जा रही है। इन परीक्षा केंद्रों में 4 केंद्रीय कारागार भी शामिल हैं । परीक्षा में लगभग 80 हजार परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं।

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अगले चरण की परीक्षा हेतु दिनांक 15 जून, 2024 को उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा सामग्री लेकर जा रही गाड़ियों को ऑनलाइन हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में परीक्षा को पारदर्शिता पूर्ण ढंग से सकुशल संपन्न कराने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। विश्वविद्यालय की स्नातक,परास्नातक तथा शेष परीक्षाएं 18 जून से 16 जुलाई तक 2 पालियों में प्रातः 10:00 से 1रू00 तथा दोपहर 2रू00 से 5रू00 बजे तक आयोजित की जाएंगी। भीषण गर्मी एवं लू के प्रकोप को देखते हुए कुलपति के निर्देशों परीक्षा केदो पर पर्याप्त शीतल जल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक डी पी सिंह के निर्देशन में परीक्षा विभाग में हेल्पलाइन देश के माध्यम से परीक्षार्थियों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।

इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक श्री डी. पी. सिंह, कुलसचिव कर्नल विनय कुमार वं परीक्षा विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मुक्त विश्वविद्यालय ने विश्व में सर्वाधिक योग संबंधी रिकॉर्ड बनाने हेतु ली शपथ

राजभवन, लखनऊ ने विश्व योग दिवस–2024 के अवसर पर विश्व में सर्वाधिक योग संबंधी शपथ का रिकॉर्ड बनाने के निर्देश मिलने के बाद प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरन्तर शपथ ग्रहण अभियान चला रहा है। नवनियुक्त माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की अभिप्रेरणा से दिनांक 15 जून, 2024 को विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं ने योग शपथ अभियान में बढ़चढ कर भागीदारी की। इसके साथ ही विश्वविद्यालय कैम्पस के समीप प्रतिष्ठानों में भी योग शपथ अभियान में विश्वविद्यालय का साथ देने के लिए लोंगो को प्रेरित किया।

मुक्त विश्वविद्यालय ने आर ए एफ जवानों को दिलाई योग की शपथ

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के परिपेक्ष्य में गिनीज वर्ल्ड बुक में रिकॉर्ड बनाने जाने हेतु ऑनलाइन शपथ दिलाए जाने के क्रम में प्रयागराज के फाफामऊ स्थित आर ए एफ की 101 बटालियन के परिसर में इसका आयोजन किया गया। जिसमें आर ए एफ की ओर से डिप्टी कमांडेंट श्री रामचंद्र राम ने विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार और विश्व योग दिवस 2024 के संयोजक डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी का स्वागत करते हुए आर ए एफ परिसर के सभी सदस्यों को मुक्त विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों से परिचित कराया गया।

इसी क्रम में मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने सभी जवानों को योग का महत्व समझाते हुए वर्तमान में आयोजित हो रहे ऑनलाइन योग शपथ महा अभियान के संबंध में जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा योग ही एक ऐसा माध्यम है जिससे जीवन में शांति लाई जा सकती है।

योग समन्वयक डॉ0 देवेश रंजन ने उपस्थित सभी प्लाटून कमांडर को विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों की उपयोगिता समझाते हुए ऑनलाइन योग शपथ लिए जाने के विभिन्न चरण समझाए। तत्पश्चात सभी ने सामूहिक ऑनलाइन शपथ ली । सभी प्लाटून कमांडर ने कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे इस महा अभियान को अपने प्रत्येक जवान तथा पारिवारिक सदस्यों तक पहुंचाने और शपथ दिलाए जाने का संकल्प लिया।

अंत में डिप्टी कमांडेंट ने अपने कमांडेंट श्री मनोज एवं माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। डिप्टी कमांडेंट श्री राम ने यह आश्वस्त किया कि भविष्य में भी मुक्त विश्वविद्यालय एवं आर ए एफ संयुक्त रूप से इसी प्रकार से जनोपयोगी कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे।

16 जून, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गये गॉव में योग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2024 के उपलक्ष्य में माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति महोदया श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के निर्देशानुसार गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज़ कराने हेतु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के आह्वान पर मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गये ग्राम सभा जैतवार डीह, सोराव, प्रयागराज में दिनांक 16 जून, 2024 को योग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मानविकी विद्याशाखा के निदेशक, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी के कुशल नेतृत्व में प्रोफेसर रुचि बाजपेई, श्री राजेश गौतम, डॉ. शिवेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. अनिल यादव, डॉ. सुमन सिंह, डॉ. शैलेंद्र सिंह, डॉ. दयानन्द उपाध्याय, संजीव भट्ट, डॉ. सतेंद्र, डॉ. मुकेश मौर्य, कुशल कर्मी रामलखन, परिचर मुन्नाराम ने सहभागिता की एवं लोगों को योग के बारे में जानकारी दिया। इसके साथ ही प्रोफेसर एस. पी. तिवारी द्वारा ग्राम प्रधान देवेंद्र गिरी की उपस्थिति में पाडिला महादेव मंदिर में ऑफलाइन शपथ दिलाई गई तथा साथ ही ऑनलाइन शपत्र पत्र भरने के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया गया ।

इसी क्रम में लोगों से अपील किया गया कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने परिवारजनों, मित्रों एवं परिचितों को भी ऑनलाइन शपथ दिलाए। इस कार्यक्रम में लोगों ने उत्साह के साथ बढ़ –चढ़ कर हिस्सा लिया।

मुक्त विश्वविद्यालय ने कुलपति के साथ ली योग की शपथ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्व योग दिवस 2024 के परिप्रेक्ष्य में मंगलवार दिनांक 18 जून, 2024 को ऑनलाइन योग शपथ का आयोजन विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने की।

विश्व योग दिवस 2024 के समन्वयक डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी ने कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की एवं ऑनलाइन योग शपथ की प्रगति प्रस्तुत की। माननीय कुलपति का स्वागत डॉ0 मीरा पाल ने की तथा कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह ने योग की विभिन्न विधाओं से योग क्रिया का संचालन किया।

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी द्वारा माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए

कार्यक्रम का संचालन करते हुए असि. प्रोफेसर (संवि.), योग, डॉ0 अमित सिंह

माननीय अतिथियों का स्वागत करती हुई स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की प्रभारी, डॉ0 मीरा पाल

कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की एवं ऑनलाइन योग शपथ की प्रगति प्रस्तुत करते हुए समन्वयक डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी

ऑनलाइन योग शपथ लेते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मनुष्य को मनुष्य बनाने का प्रयास है योग–प्रोफेसर सत्यकाम

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि गिनीज बुक में रिकॉर्ड बनाना सबका सामूहिक प्रयास है। भारत योग को कितना महत्वपूर्ण मानता है यह इसी से सिद्ध हो जाता है कि हमने भारत को विश्व गुरु के रूप में आगे बढ़ाने की संकल्पना ले रखी है। इसके साथ ही विकसित भारत की संकल्पना में भी योग का बहुत बड़ा महत्व है। उन्होंने कहा कि योग केवल एक शारीरिक अभ्यास नहीं है बल्कि यह मनुष्य को मनुष्य बनाने का प्रयास है। योग जीवन पद्धति एवं जीवन शैली है। यह सकारात्मक दिशा देने का प्रयास है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा से जुड़े विद्यार्थी हमसे दूर हैं इसलिए हमें एक ऐसी भूमिका का निर्वहन करना है जिससे हम अपने विद्यार्थियों को जोड़कर रख सकें। हमें अपने पुरातन छात्रों से अपना जुड़ाव बढ़ाना पड़ेगा। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं को शपथ दिलाते हुए कहा कि यह शपथ नहीं है बल्कि एक संकल्प है कि हम विद्यार्थियों से जुड़कर दिए गए लक्ष्य को पूरा करें।

इस अवसर पर मंचासीन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, परीक्षा नियंत्रक डी0 पी0 सिंह, वित्त अधिकारी शशि भूषण सिंह तोमर सहित विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशक, शिक्षक,कर्मचारी तथा छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

इसके साथ ही ऑनलाइन शपथ ग्रहण का कार्यक्रम विश्वविद्यालय के 12 क्षेत्रीय केन्द्रों एवं 1300 अध्ययन केन्द्रों पर एक साथ आयोजित किया गया।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों एवं अध्ययन केन्द्रों द्वारा ऑन लाइन योग शपथ अभियान कार्यक्रम का आयोजन

राजभवन, लखनऊ ने विश्व योग दिवस–2024 के अवसर पर विश्व में सर्वाधिक योग संबंधी शपथ का रिकॉर्ड बनाने के निर्देश मिलने के बाद प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरन्तर शपथ ग्रहण अभियान चला रहा है। नवनियुक्त माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की अभिप्रेरणा से दिनांक 18 जून, 2024 को विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों एवं अध्ययन केन्द्रों ने ऑन लाइन योग शपथ अभियान में बढ़चढ कर भागीदारी की।

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा एवं अध्ययन केन्द्र

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा एवं अध्ययन केन्द्र

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ

19 जून, 2024

पूर्व कुलपति प्रो0 केएनएस यादव का मुक्त विश्वविद्यालय में स्वागत

यमुना परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के पूर्व कुलपति प्रोफेसर केदारनाथ सिंह यादव का बुधवार दिनांक 19 जून, 2024 को विश्वविद्यालय परिसर पहुंचने पर नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर प्रोफेसर यादव से विश्वविद्यालय के निदेशकों ने भी अनौपचारिक मुलाकात की। विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रोफेसर यादव का अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रोफेसर यादव से विश्वविद्यालय के विकास के लिए कई कार्य योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने प्रोफेसर यादव से विश्वविद्यालय की बेहतरी के लिए उनके बहुमूल्य सुझाव मांगे। इस दौरान पूर्व कुलपति प्रोफेसर यादव ने अपने कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों को साझा किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि सभी विद्याशाखाओं के निदेशक विश्वविद्यालय की नामांकन संख्या को बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं।

पूर्व कुलपति प्रो0 के0एन0एस0 यादव जी के साथ कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

पूर्व कुलपति प्रो0 के0एन0एस0 यादव जी को अंगवस्त्र एवं पौधा भेंट कर

पूर्व कुलपति प्रो0 के0एन0एस0 यादव जी के साथ कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

इस अवसर पर पूर्व कुलपति प्रोफेसर केदारनाथ सिंह यादव का स्वागत कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, परीक्षा नियंत्रक श्री डीपी सिंह, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर संतोषा कुमार एवं डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने किया।

कुलपति ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

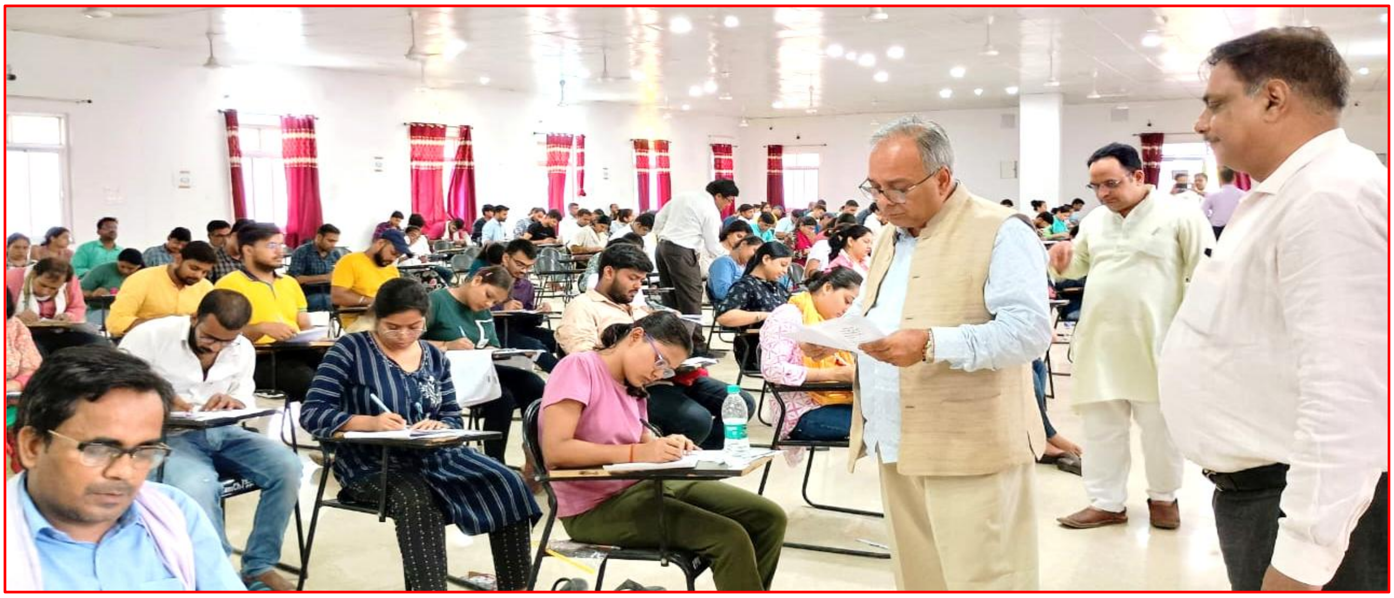

यमुना परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बुधवार दिनांक 19 जून, 2024 को विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में सत्र जून 2024 की परीक्षाएं संचालित की जा रही हैं। इस दौरान उन्होंने भीषण गर्मी से परीक्षार्थियों के बचाव के लिए केन्द्र व्यवस्थापकों को विशेष प्रबंध करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही परीक्षार्थियों के अभिभावकों के लिए परिसर के समीप शीतल जल की व्यवस्था के निर्देश कुलपति ने दिये। विश्वविद्यालय परिसर में स्नातक और परास्नातक की परीक्षाएं पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण ढंग से संचालित की जा रही हैं। औचक निरीक्षण के समय माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के साथ परीक्षा नियंत्रक डी0पी0 सिंह, केंद्र व्यवस्थापक प्रोफेसर ए0 के0 मलिक एवं अन्य शिक्षक

मुक्त विश्वविद्यालय में वर्तामान संदर्भ में योग की प्रासंगिकता पर भाषण प्रतियोगिता

वर्तामान संदर्भ में योग की प्रासंगिकता पर भाषण प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले छात्र–छात्राओं ने साझा किया योग का महत्व–

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, में दिनांक 20 जून 2024 को मा. कुलपति की अध्यक्षता में 'वर्तामान संदर्भ में योग की प्रासंगिकता' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन मानविकी विद्याशाखा के तत्वाधान में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों के छात्र–छात्राएँ उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, प्रोफेसर संजय कुमार सिंह और श्री अमित कुमार सिंह ने अपने विशेषज्ञता से सम्मानित किया। कार्यक्रम के समन्वक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, संयोजक आचार्य विनोद कुमार गुप्त और आयोजन सचिव डॉ. स्मिता अग्रवाल ने भी अपने योगदान से इस सफलता में सहायता की। संचालन का प्रबंधन डॉ. सतेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर विद्याशाखा के अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे और उन्होंने भी कार्यक्रम की सफलता में योगदान दिया।

योग के महत्व को उजागर करने वाले इस कार्यक्रम ने छात्र–छात्राओं में योग के प्रति उत्साह और समर्थन को बढ़ावा दिया।

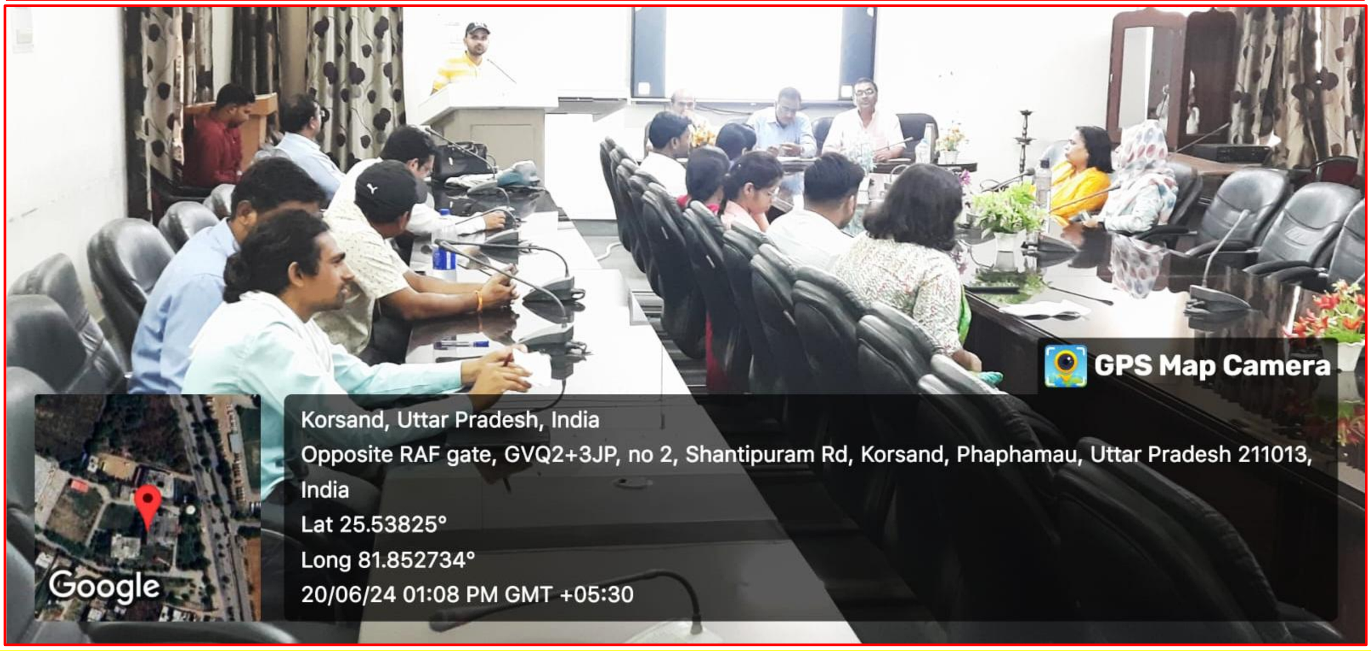

मानसिक विकारों के प्रबन्धन में योग की भूमिका एवं आधुनिक जीवन शैली जनित रोगों के लक्षण एवं इसके बचाव के यौगिक संसाधनों की भूमिका विषय पर कार्यशाला

योग के द्वारा शरीर से निकालकर स्वस्थ और रोग मुक्त जीवन जीना चाहिए : अमित सिंह

विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा द्वारा दिनांक 20 जन, 2024 को मानसिक विचारों के प्रबन्धन में योग की भूमिका एवं आधुनिक जीवन शैली जनीत रोगोंके लक्षण एवं इसके बचाव के यौगिक संसाधनों की भूमिका विषय पर कार्यशाला का आयोजित की गयी। कार्यशाला के मुख्य वक्ता– उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के असि. प्रोफेसर, योग, श्री अमित सिंह ने कहा कि आजकल की भाग–दौड़ भरी जिंदगी में हमें वर्तमान में शांति से जीना चाहिए। हमारे शरीर में कई तरह के विष इकट्ठा हो रहे हैं, जिन्हें योग के द्वारा शरीर से निकालकर स्वस्थ और रोग मुक्त जीवन जीना चाहिए। हमें प्राणायाम और ओमकार का जाप करते रहना चाहिए। अपने साथ वर्तमान में रहकर समय बिताने से मानसिक शांति की प्राप्ति होती है।

कार्यक्रम का संचालन अनुराग शुक्ला तथा धन्यवाद ज्ञापन डां. जूमी सिंह ने किया। कार्यक्रम में प्रभारी स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा, प्रो. मीरा पाल, निदेशक समाज विज्ञान विद्या शाखा प्रोफेसर संतोष कुमार, प्रभारी व्यावसायिक विज्ञान विद्या शाखा, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह एवं शैक्षणिक बंधू उपस्थित रहे।

कुलपति पहुंचे बरना, किया परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण

यमुना परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बृहस्पतिवार दिनांक 20 जून, 2024 को विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्र बी. बी. एस. डिग्री कॉलेज, बरना, प्रतापगढ़ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा कक्ष में जाकर शिक्षार्थियों से प्रश्न पत्र के बारे में पूछा। सभी परीक्षार्थी विश्वविद्यालय की व्यवस्था से संतुष्ट दिखे। आज परीक्षा केंद्र पर द्वितीय पाली में लगभग 200 परीक्षार्थी नामांकित थे। जिसमें बीए, बीएससी और एम ए के विद्यार्थियों की संख्या सर्वाधिक थी।

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव एवं केंद्र समन्वयक श्री कृष्ण देव सिंह से केंद्र की छात्र संख्या को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने निर्देश दिया कि परीक्षा केन्द्र तक पहुंचने में किसी भी परीक्षार्थी को असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह अध्ययन केंद्र इस क्षेत्र के एक मानक अध्ययन केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित करे। इस दिशा में विश्वविद्यालय हर स्तर का सहयोग प्रदान करेगा।

मुक्त विश्वविद्यालय के साथ महापौर ने किया योग

मुक्त विश्वविद्यालय में योग का विहंगम आयोजन

निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के अवसर पर यमुना परिसर स्थित त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र में योग का विहंगम कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि श्री उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जी, महापौर प्रयागराज रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के योग शिक्षकों अमित कुमार सिंह, निकेत सिंह एवं अनुराग शुक्ला ने योग प्रोटोकॉल एवं प्राणायाम तथा विभिन्न योगासनों के सामूहिक प्रदर्शन के माध्यम से विश्व योग दिवस की सार्थकता को सिद्ध किया। समारोह का संचालन विश्व योग दिवस 2024 के संयोजक डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शिक्षिकाओं ने कुलपति की धर्मपत्नी श्रीमती सीमा का अंग वस्त्रम प्रदान कर सम्मान किया। समारोह में विश्वविद्यालय के निदेशक, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी, छात्र–छात्राएं एवं क्षेत्र की जनता उपस्थित रही।

मुख्य अतिथि श्री उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जी, महापौर प्रयागराज जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी।

सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए मुख्य अतिथि श्री उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जी, महापौर प्रयागराज जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी एवं कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

समारोह का संचालन करते हुए विश्व योग दिवस 2024 के संयोजक डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी

विश्वविद्यालय के योग शिक्षकों अमित कुमार सिंह, निकेत सिंह एवं अनुराग शुक्ला ने योग प्रोटोकॉल एवं प्राणायाम तथा विभिन्न योगासनों के सामूहिक प्रदर्शन के माध्यम से विश्व योग दिवस की सार्थकता को सिद्ध किया।

*मुख्य अतिथि
श्री उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जी,
महापौर प्रयागराज जी
को अंगवस्त्र एवं तुलसी का पौध भेंट कर उनका सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी।*

विश्वविद्यालय के कुलपति कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी को अंगवस्त्र एवं तुलसी का पौध भेंट कर उनका सम्मान करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर विश्वविद्यालय में मानव जीवन में योग की उपादेयता विषय पर निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं में प्रथम दिग्विजय सिंह, द्वितीय ज्योति गुप्ता, एवं तृतीय विशाल भारती को तथा वर्तमान संदर्भ में योग की प्राथमिकता विषय पर भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं में प्रथम वैष्णवी सिंह, द्वितीय तुषार कुमार सिंह एवं तृतीय वरुणा को प्रमाण पत्र देकर मुख्य अतिथि महापौर श्री गणेश केसरवानी एवं कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सम्मानित किया।

योग हमारी जीवनी शक्ति को बढ़ाता है– महापौर

मुख्य अतिथि श्री उमेश चंद्र गणेश केसरवानी, महापौर प्रयागराज ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के साथ योग किया और योग की महत्ता प्रतिपादित की। इस अवसर पर उन्होंने निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। महापौर ने कहा कि योग हमारी जीवनी शक्ति को बढ़ाता है। योग करने से शारीरिक बीमारियों से छुटकारा मिलता है तथा मन शांत रहता है। उन्होंने कहा कि योग की शिक्षा प्रदान करने में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय हमेशा से अग्रणी भूमिका निभाता रहा है।

योग से व्यक्ति मानसिक रूप से सुदृढ़ रहता है– प्रो0 सत्यकाम

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने हमेशा से योग कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी है और आने वाले समय में भी योग को जन–जन तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय के योग शिक्षकों के सहयोग से ऑनलाइन तैयारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि योग से व्यक्ति मानसिक रूप से सुदृढ़ रहता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में योग अवश्य शामिल करना चाहिए।

कुलपति ने कहा कि हमारी संकल्पना होगी कि विश्वविद्यालय में जो भी कार्यक्रम हो उसका प्रारंभ योग से हो। हर व्यक्ति तक योग को पहुंचाना हमारा मिशन होना चाहिए।

कुलपति की
धर्मपत्नी श्रीमती सीमा जी को
अंग वस्त्रम प्रदान कर
सम्मान करती हुई
विश्वविद्यालय की शिक्षिकायें

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए
कुलसचिव
कर्नल विनय कुमार

GPS Map Camera
Google
Phaphamau, Uttar Pradesh, India
GVJ6+96X, Phaphamau, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.531038°
Long 81.860417°
21/06/24 08:27 AM GMT +05:30

GPS Map Camera
Google
Phaphamau, Uttar Pradesh, India
GVJ6+96X, Phaphamau, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.530794°
Long 81.860463°
21/06/24 08:25 AM GMT +05:30

GPS Map Camera
Google
Phaphamau, Uttar Pradesh, India
GVJ6+P37, Phaphamau, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.531593°
Long 81.860364°
21/06/24 08:57 AM GMT +05:30

कुलपति पहुंचे उपरदहा एवं फूलपुर, किया परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण

उपरदहा में परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने शनिवार दिनांक 22 जून, 2024 को विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्र उपरदहा डिग्री कालेज, उपरदहा, बरौत, प्रयागराज एवं दयाशंकर महिला महाविद्यालय, बसनेहटा फूलपुर, प्रतापपुर मार्ग, प्रयागराज का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा कक्ष में जाकर शिक्षार्थियों से प्रश्न पत्र के बारे में पूछा। आज दोनो परीक्षा केंद्र पर द्वितीय पाली में लगभग 221 परीक्षार्थी नामांकित थे।

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने निर्देश दिया कि परीक्षा केन्द्र तक पहुंचने में किसी भी परीक्षार्थी को असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह अध्ययन केंद्र इस क्षेत्र के एक मानक अध्ययन केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित करे। इस दिशा में विश्वविद्यालय हर स्तर का सहयोग प्रदान करेगा।

फूलपुर में परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम

परीक्षाओं की शुचिता के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं–कुलपति

कुलपति ने चलाया चाबुक, नकल की शिकायत मिली तो निरस्त होंगे परीक्षा केन्द्र

राजकीय पीजी कॉलेज हमीरपुर के परीक्षार्थी अब कानपुर क्षेत्रीय केंद्र पर देंगे परीक्षा

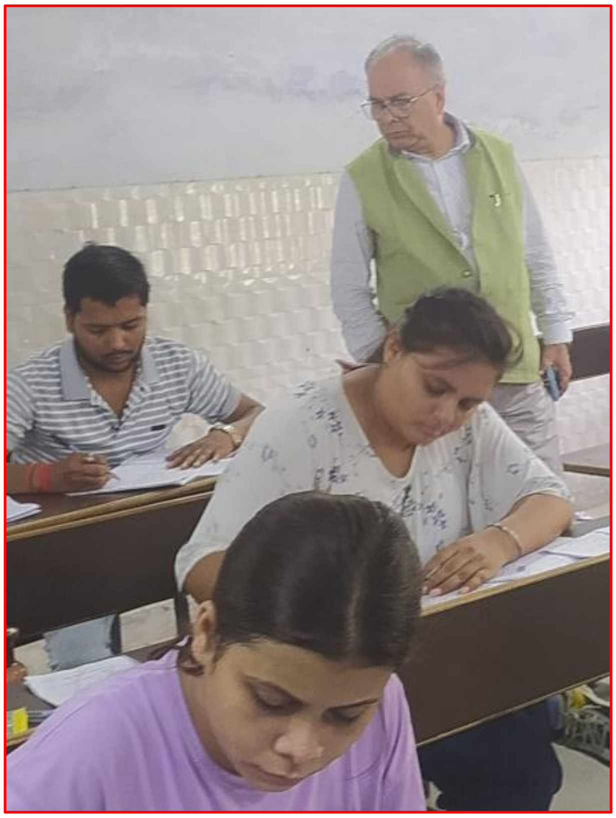

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय की प्रदेशभरमेंचलरहीपरीक्षाओं की शुचिता के साथकिसीभीस्थितिमें खिलवाड़ बर्दाश्तनहींकियाजाएगा।हमीरपुर के एक परीक्षा केंद्रपरप्राचार्यऔरकेन्द्रसमन्वयकमेंआपसीसमन्वय के अभावमेंकेंद्रपरकथित एवंभ्रामकनकल की सूचना का गंभीरता से संज्ञानलेतेहुए कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिमुक्तविश्वविद्यालय की परीक्षाओंकोगंभीरता से न लेनेवाले ऐसेपरीक्षा केन्द्रोंकोतुरंतनिरस्तकियाजाएगा।

प्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिमुक्तविश्वविद्यालय पूरेप्रदेशमेंपारदर्शितापूर्णढंग से परीक्षा करायेजाने के लिए संकल्पबद्ध है।मुक्तविश्वविद्यालयीय व्यवस्थामें लंबा प्रशासनिकअनुभव रखनेवालेप्रोफेसरसत्यकाम ने अभीकुछदिनोंपूर्वहीउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के कुलपति का पद का दायित्वग्रहणकियाहै । इसकेपूर्वप्रोफेसरसत्यकामइग्नूमेंप्रतिकुलपति के पद परकार्यरतथे।

मुक्तविश्वविद्यालय के कुलपति का पद भारग्रहणकरतेही सख्त प्रशासक के रूपमेंअपनीपहचान रखनेवालेप्रोफेसरसत्यकाम ने अपनासाराध्याननकलविहीनपारदर्शितापूर्णपरीक्षा के संचालनपरफोकसकियाहै।उन्होंनेस्वयंप्रयागराज के सुदूरवर्ती क्षेत्र मेंस्थितकईपरीक्षा केन्द्रों का औचकनिरीक्षणकियाऔरपरीक्षा की कार्यप्रणालीकोऔरअधिकप्रभावीबनाने के निर्देशपरीक्षा नियंत्रक कोदिए हैं।प्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिदूरस्थशिक्षा की उपयोगितापूरेदेशमेंबहुततेजी के साथ बढ़ रहीहै।परंपरागतशिक्षणसंस्थानों की अपेक्षा मुक्तविश्वविद्यालय मेंलोगभारी संख्या मेंनामांकितहोरहेहैं।इसकाप्रमुख कारणदूरस्थशिक्षा व्यवस्थामेंनियमितउपस्थिति की अनिवार्यतानहींहै।दूरस्थशिक्षा का लक्ष्य लोगोंको घरतकशिक्षा उपलब्धकरवानाहै । इसी के मद्देनजरपूरेउत्तरप्रदेशमेंपरीक्षा केन्द्रों का निर्धारणकरपरीक्षाएंसंपन्नकराईजारहीहैं।उत्तरप्रदेशमेंनकलविहीन एवंपारदर्शितापूर्णपरीक्षा आयोजितकरवाने के लिए पर्यवेक्षकों एवंउड़ाकादल का गठनकियागयाहै।प्रोफेसरसत्यकाम ने सभीपरीक्षा केंद्रों के केन्द्राध्यक्षोंकोस्पष्टनिर्देशदियाहैकिपरीक्षा की गुणवत्ता से किसीभीप्रकार का समझौताबर्दाश्तनहींकियाजाएगा।केन्द्राध्यक्ष परीक्षा के दौरानपरीक्षा केंद्रोंपरसभी कक्षों की निरन्तरनिगरानीकरतेरहेंतथासीटिंगप्लान के अनुसारपरीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्थाकरें।सभी कक्षोंमेंपर्याप्तहवा, प्रकाश एवं शीतल जल की व्यवस्थासुनिश्चित की जाए।सभीपरीक्षा केंद्रोंपरपरीक्षार्थियों के मोबाइलजमाकराने के लिए विशेषव्यवस्था की जाय।उन्होंनेमुक्तविश्वविद्यालय के प्रदेशमेंस्थित 12 क्षेत्रीय केन्द्रोंप्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, बरेली, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा,मेरठ, गाजियाबादतथाआजमगढ़ के केंद्रसमन्वयकों से भीपरीक्षा केंद्रों का औचकनिरीक्षणकरउसीदिनरिपोर्टदेने के निर्देशदिए।

उन्होंनेहमीरपुर के परीक्षा केंद्र की मीडियामेंआई खबरों का संज्ञानलेतेहुए कहाकि इस प्रकरण के उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं।प्रोफेसरसत्यकाम ने इस बातपरचिंतावक्त की किकतिपय समाचारपत्रों ने विश्वविद्यालय का पक्ष प्रकाशितकिए बिनाविश्वविद्यालय की प्रतिष्ठाकोधूमिलकरने का प्रयासकिया।प्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिदूरस्थशिक्षा आजटेक्नोलॉजीपरआधारितहै।तकनीकीआधारितशिक्षणव्यवस्था से विश्वविद्यालय छात्रोंकोनई–नईसुविधाएंप्रदानकररहाहै, ऑनलाइनस्मार्टक्लास से यहां के छात्र काफी दक्ष होकरनिकलेंगे।आनेवालेवर्षोंमेंउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय देश के अग्रणी मुक्तविश्वविद्यालयोंमें शुमारहोगा।

इधरविश्वविद्यालय ने प्रेसविज्ञप्तिजारीकरबतायाकिउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक की सूचनानुसारकुलपति के आदेशपरराजकीय महाविद्यालय, हमीरपुरपरीक्षा केंद्रमेंसंचालितपरीक्षायेंअग्रिमआदेशतकस्थगितकरदीगईहैं। इस केन्द्र के सभीपरीक्षार्थी 24 जून से क्षेत्रीय केंद्रकानपुरस्थितपरीक्षा केंद्रपरपरीक्षा देंगे।

DR PRABHAT MISHRA
Forwarded

मुक्त विश्वविद्यालय में 166 केंद्रों पर 80 हजार परीक्षार्थी देंगे परीक्षा। - At Samachar
टीएन शर्मा की रिपोर्ट 11 जून से 16 जुलाई तक दो पालियों में होंगी परीक्षाएं प्रयागराज। उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून 2024 की परीक्षाएं प्रदेश के 166 केंद्रों पर मंगलवार 11 जून 2024 से प्रारंभ हो
atsamachar.in

मुक्त विश्वविद्यालय में 166 केंद्रों पर 80 हजार परीक्षार्थी देंगे परीक्षा।

https://atsamachar.in/archives/1455/80-thousand-candidates-will-appear-for-the-exam-at-166-centers-in-the-open-university
23:49

DR PRABHAT MISHRA
Forwarded

मुक्त विश्वविद्यालय में 166 केंद्रों पर 80 हजार परीक्षार्थी देंगे परीक्षा
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून 2024 की परीक्षाएं प्रदेश के 166 केंद्रों में मंगलवार 11 जून 2024 से
www.amritvichar.com

https://www.amritvichar.com/article/472564/80-thousand-candidates-will-take-the-exam-at-166-centers#gsc.tab=0
23:49

अमर उजाला

आरएएफ जवानों को दिलाई योग की शपथ

प्रयागराज। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2024 के परिप्रेक्ष्य में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में जगह बनाने के लिए ऑनलाइन शपथ दिलाए जाने के क्रम में प्रयागराज के फाफामऊ स्थित आरएएफ की 101 बटालियन के परिसर में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। विवि के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने सभी जवानों को योग का महत्व समझाते हुए ऑनलाइन योग शपथ महा अभियान के बारे में जानकारी दी। आरएएफ की ओर से डिप्टी कमांडेंट रामचंद्र राम ने कुलसचिव कर्नल विनय कुमार और विश्व योग दिवस 2024 के संयोजक डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी का स्वागत किया। ब्यूरो

न्यायपथ

ओलंपिक के लिए राइफल....

मोदी-बीजेपी से खटास के ...

वर्ष : 14 अंक-44 प्रयागराज साप्ताहिक शुक्रवार 14 जून 2024 से 20 जून 2024 मुद्रित पृष्ठ-8 मूल्य-2 रुपये

गिनीज बुक में नाम दर्ज कराने के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने लगाया जोर

कुलपति ने संभाली कमान, कुशल-अकुशल कर्मचारियों से भी किया संवाद

प्रयागराज।राजभवन, लखनऊ ने विश्व योग दिवस-2024 के अवसर पर विश्व में सर्वाधिक योग संबंधी शपथ का रिकॉर्ड बनाने के निर्देश मिलने के बाद प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अपने लक्ष्य के बहुत करीब पहुंच चुका है। नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की अभिप्रेरणा से विश्वविद्यालय के वर्तमान छात्र-छात्राओं के साथ ही पुरातन छात्रों में भी इस रिकॉर्ड में भागीदार बनने की ललक रंग दिखा रही है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इस दिशा में गंभीर रूप से तैयारी शुरू कर दी है विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने विश्वविद्यालय परिसर क्षेत्र केंद्रो एवं संबद्ध अध्ययन केंद्रो से आग्रह किया है कि वह 17 लाख ऑनलाइन शपथ अभियान में शामिल होकर विश्वविद्यालय के शत प्रतिशत लक्ष्य में अपना योगदान करें, जिसे गिनीज वर्ल्ड ऑफ रिकॉर्ड में शामिल किया जा सके।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि राज भवन ने लगभग 17 लाख ऑनलाइन शपथ एक सप्ताह के अंतर्गत 12 जून से 18 जून 2024 तक की तिथि निर्धारित करके रिकॉर्ड बनाने हेतु ऑनलाइन शपथ का मार्ग प्रशस्त किया है उन्होंने बताया कि प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुल अधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन में इस बनने वाले रिकॉर्ड को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज करने की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों अधिकारियों कर्मचारियों पुरातन छात्रों विद्यार्थियों में उनके परिजनों से अनुरोध किया है कि वह https://rajbhawanyogapledge.in पर जाकर योग संबंधी ऑनलाइन शपथ में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का नाम दर्ज कर रिकॉर्ड बनाने में अपना सहयोग करें कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से क्षेत्रीय केंद्रो के समन्वयकों एवं प्रभारी से भी आग्रह किया कि वह इस अभियान में निर्धारित लक्ष्य को अवश्य पूरा करें उन्होंने बताया कि ऑनलाइन शपथ पूर्ण होने पर ऑनलाइन प्राप्त होने वाले प्रमाण पत्र को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के समन्वयक एवं आयोजन सचिव के साथ साझा करें। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि पहले भी हम योग दिवस का आयोजन करते रहे हैं। यह दिवस केवल एक औपचारिकता नहीं होना चाहिए बल्कि यह दिवस अपने दृष्टिकोण को परिवर्तित करने के लिए है। जो अध्यापक हैं वह अपने विद्यार्थियों तक इस विचारधारा और दृष्टिकोण को प्रेषित करें। यही हमारा मुख्य उद्देश्य है। प्रोफेसर सत्यकाम ने 'मुझे चांद चाहिए' उपन्यास का जिक्र करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्य एस्ट्रोनॉट हैं। आप जितने अच्छे एस्ट्रोनॉट होंगे, चांद उतना ही करीब होगा। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय के 25 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। सभी लोगों ने इसे सींच कर बहुत आगे बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय हम सब की मां है। जितनी ज्यादा से ज्यादा सेवा करेंगे उतना लाभ मिलेगा। भारतीय परंपरा में मां की सेवा का पुण्य लाभ ज्यादा से ज्यादा मिलता है। हमारा विश्वविद्यालय इन कार्यों के माध्यम से आगे बढ़ेगा।उन्होंने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए गोद लिए गांव में भी टोलियां बनाकर लोगों को योग के प्रति अभिप्रेरित करने का निर्देश दिया। महिला अध्ययन केंद्र की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र के सदस्य गोद लिए गांवों में जाएं और फील्ड वर्क करें। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि वही विश्वविद्यालय तेजी से आगे बढ़ता है जिसमें अध्यापक पूरी संजीदगी,ईमानदारी और उत्साह से काम करते हैं। अध्यापकों को सबसे ज्यादा चिंता अपने विश्वविद्यालय की एवं विद्यार्थियों की होती है। हम विद्यार्थियों तक पहुंच जाएंगे, हमें इसकी उम्मीद है। उन्होंने कहा कि जितना उत्साह सभी के अंदर लक्ष्य की प्राप्ति को लेकर है उससे आशा जगती है कि हम लक्ष्य को अवश्य पार कर लेंगे।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कुशल एवं अकुशल कर्मचारियों से मुखातिब होते हुए कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय मातृस्थली भी है और कर्मस्थली भी है और यहीं से दाना पानी भी है। जहां दाना पानी होता है उस मिट्टी से विशेष लगाव होता है और उस मिट्टी को मस्तक पर लगाकर हम अपने कार्य में जुट जाना चाहते हैं। उन्होंने कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वह बहुत कर्मठ और कर्मशील हैं और अपनी योग्यता का 100% योगदान विश्वविद्यालय के कार्य में कर रहे हैं। कुलपति ने कहा कि अब एक बड़ा काम आ गया है। गिनीज बुक में उत्तर प्रदेश का नाम दर्ज होना है। इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से हम सभी अपने लक्ष्य को भेदने में अपनी सकारात्मक ऊर्जा एवं सामाजिक प्रतिबद्धता का उपयोग करें और इस अभियान को सफल बनाएं।

इससे पूर्व कुलपति का स्वागत कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशकों एवं वरिष्ठ शिक्षकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

दैनिक लोकमित्र

सच्चाई की जंग

वर्ष : 30 | अंक :224
प्रतापगढ़ | रविवार , 16 जून-2024
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

मुक्त विश्वविद्यालय ने आर ए एफ जवानों को दिलाई योग की शपथ

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के परिपेक्ष्य में गिनीज वर्ल्ड बुक में रिकॉर्ड बनाने जाने हेतु ऑनलाइन शपथ दिलाए जाने के क्रम में प्रयागराज के फाफामऊ स्थित आर ए एफ की 101 बटालियन के परिसर में इसका आयोजन किया गया। जिसमें आर ए एफ की ओर से डिप्टी कमांडेंट रामचंद्र राम ने विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार और विश्व योग दिवस 2024 के संयोजक डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी का स्वागत करते हुए आर ए एफ परिसर के सभी सदस्यों को मुक्त विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों से परिचित कराया गया।

इसी क्रम में मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने सभी जवानों को योग का महत्व समझाते हुए वर्तमान में आयोजित हो रहे ऑनलाइन योग शपथ महा अभियान के संबंध में जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा योग ही एक ऐसा माध्यम है जिससे जीवन में शांति लाई जा सकती है।

योग समन्वयक डॉ देवेश रंजन ने उपस्थित सभी प्लाटून कमांडर को विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों की उपयोगिता समझाते हुए ऑनलाइन योग शपथ लिए जाने के विभिन्न चरण समझाए। तत्पश्चात सभी ने सामूहिक ऑनलाइन शपथ ली । सभी प्लाटून कमांडर ने कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे इस महा अभियान को अपने प्रत्येक जवान तथा पारिवारिक सदस्यों तक पहुंचाने और शपथ दिलाए जाने का संकल्प लिया।

अंत में डिप्टी कमांडेंट ने अपने कमांडेंट श्री मनोज एवं कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। डिप्टी कमांडेंट श्री राम ने यह आश्वस्त किया कि भविष्य में भी मुक्त विश्वविद्यालय एवं आर ए एफ संयुक्त रूप से इसी प्रकार से जनोपयोगी कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे।

इसके साथ ही राजभवन, लखनऊ ने विश्व योग दिवस-2024 के अवसर पर विश्व में सर्वाधिक योग संबंधी शपथ का रिकॉर्ड बनाने के निर्देश मिलने के बाद प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरन्तर शपथ ग्रहण अभियान चला रहा है। नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की अभिप्रेरणा से आज विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने योग शपथ अभियान में बढ़चढ कर भागीदारी की। इसके साथ ही विश्विवद्यालय कैम्पस के समीप प्रतिष्ठानों में भी योग शपथ अभियान में विश्वविद्यालय का साथ देने के लिए लोंगो को प्रेरित किया।

यूनाइटेड भारत

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
सिर्फ सच के साथ
हिन्दी दैनिक

मुक्त विश्वविद्यालय ने आर ए एफ जवानों को दिलाई योग की शपथ

यूनाइटेड भारत

प्रयागराज। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के परिपेक्ष्य में गिनीज वर्ल्ड बुक में रिकॉर्ड बनाने जाने हेतु ऑनलाइन शपथ दिलाए जाने के क्रम में प्रयागराज के फाफामऊ स्थित आर ए एफ की 101 बटालियन के परिसर में इसका आयोजन किया गया। जिसमें आर ए एफ की ओर से डिप्टी कमांडेंट श्री रामचंद्र राम ने विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार और विश्व योग दिवस 2024 के संयोजक डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी का स्वागत करते हुए आर ए एफ परिसर के सभी सदस्यों को मुक्त विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों से परिचित कराया गया। इसी क्रम में मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने सभी जवानों को योग का महत्व समझाते हुए वर्तमान में आयोजित हो रहे ऑनलाइन योग शपथ महा अभियान के संबंध में जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा योग ही एक ऐसा माध्यम है जिससे जीवन में शांति लाई जा सकती है। योग समन्वयक डॉ देवेश रंजन ने उपस्थित सभी प्लाटून कमांडर को विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों की उपयोगिता समझाते हुए ऑनलाइन योग शपथ लिए जाने के विभिन्न चरण समझाए। अंत में डिप्टी कमांडेंट ने अपने कमांडेंट श्री मनोज एवं कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

न्यायाधीश

समय से पहले 'समय' पर नजर

प्रयागराज, रविवार 16 जून,2024

मुक्त विश्वविद्यालय ने आर ए एफ जवानों को दिलाई योग की शपथ

प्रयागराज।अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के परिपेक्ष्य में गिनीज वर्ल्ड बुक में रिकॉर्ड बनाने जाने हेतु ऑनलाइन शपथ दिलाए जाने के क्रम में प्रयागराज के फाफामऊ स्थित आर ए एफ की 101 बटालियन के परिसर में इसका आयोजन किया गया। जिसमें आर ए एफ की ओर से डिप्टी कमांडेंट श्री रामचंद्र राम ने विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार और विश्व योग दिवस 2024 के संयोजक डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी का स्वागत करते हुए आर ए एफ परिसर के सभी सदस्यों को मुक्त विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों से परिचित कराया गया। इसी क्रम में मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने सभी जवानों को योग का महत्व समझाते हुए वर्तमान में आयोजित हो रहे ऑनलाइन योग शपथ महा अभियान के संबंध में जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा योग ही एक ऐसा माध्यम है जिससे जीवन में शांति लाई जा सकती है।योग समन्वयक डॉ देवेश रंजन ने उपस्थित सभी प्लाटून कमांडर को विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों की उपयोगिता समझाते हुए ऑनलाइन योग शपथ लिए जाने के विभिन्न चरण समझाए। तत्पश्चात सभी ने सामूहिक ऑनलाइन शपथ ली । सभी प्लाटून कमांडर ने कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे इस महा अभियान को अपने प्रत्येक जवान तथा पारिवारिक सदस्यों तक पहुंचाने और शपथ दिलाए जाने का संकल्प लिया। अंत में डिप्टी कमांडेंट ने अपने कमांडेंट श्री मनोज एवं कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। डिप्टी कमांडेंट श्री राम ने यह आश्वस्त किया कि भविष्य में भी मुक्त विश्वविद्यालय एवं आर ए एफ संयुक्त रूप से इसी प्रकार से जनोपयोगी कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे।इसके साथ ही राजभवन, लखनऊ ने विश्व योग दिवस-2024 के अवसर पर विश्व में सर्वाधिक योग संबंधी शपथ का रिकॉर्ड बनाने के निर्देश मिलने के बाद प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरन्तर शपथ ग्रहण अभियान चला रहा है। नवनियुक्त माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की अभिप्रेरणा से दिनांक 15 जून, 2024 को विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने योग शपथ अभियान में बढ़चढ कर भागीदारी की। इसके साथ ही विश्विवद्यालय कैम्पस के समीप प्रतिष्ठानों में भी योग शपथ अभियान में विश्वविद्यालय का साथ देने के लिए लोंगो को प्रेरित किया।

दैनिक जागरण

Prayagraj Sunday, 16 June 2024
PRAYAGRAJ EDITION
Price ₹ 3.50/-
Pages 12
FATHER'S DAY
www.inextlive.com

यूपीआरटीओयू ने आरएएफ जवानों को दिलाई योग की शपथ

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (15 June): अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के परिपेक्ष्य में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने जाने हेतु ऑनलाइन शपथ दिलाए जाने के क्रम में प्रयागराज के फाफामऊ स्थित आरएएफ की 101 बटालियन के परिसर में इसका आयोजन किया गया. जिसमें आरएएफ की ओर से डिप्टी कमांडेंट रामचंद्र राम ने यूनिवर्सिटी के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार और विश्व योग दिवस 2024 के संयोजक डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी का स्वागत करते हुए आरएएफ परिसर के सभी सदस्यों को ओपन यूनिवर्सिटी की विभिन्न गतिविधियों से परिचित कराया गया.

आनलाइन योग शपथ के बारे में जवानों को दी जानकारी.

कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने सभी जवानों को योग का महत्व समझाते हुए कहा कि योग ही एक ऐसा माध्यम है जिससे जीवन में शांति लाई जा सकती है. योग समन्वयक डॉ देवेश रंजन ने उपस्थित सभी प्लाटून कमांडर को विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों की उपयोगिता समझाते हुए ऑनलाइन योग शपथ लिए जाने के विभिन्न चरण समझाए.

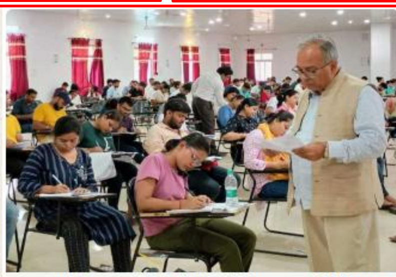

UPRTOU के कुलपति ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण। - At Samachar
टीएन शर्मा की रिपोर्ट प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बुधवार को
atsamachar.in

UPRTOU के कुलपति ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण।

https://atsamachar.in/archives/1630/uprtou-vice-chancellor-inspected-the-examination-centre
17:32

यूनाइटेड भारत

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
सिर्फ सच के साथ
हिन्दी दैनिक

कुलपति ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

यूनाइटेड भारत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बुधवार को विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में सत्र जून 2024 की परीक्षाएं संचालित की जा रही हैं। इस दौरान उन्होंने भीषण गर्मी से परीक्षार्थियों के बचाव के लिए केन्द्र व्यवस्थापकों को विशेष प्रबंध करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही परीक्षार्थियों के अभिभावकों के लिए परिसर के समीप शीतल जल की व्यवस्था के निर्देश कुलपति ने दिये। विश्वविद्यालय परिसर में स्नातक और परास्नातक की परीक्षाएं पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण ढंग से संचालित की जा रही हैं। औचक निरीक्षण के समय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के साथ परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह, केंद्र व्यवस्थापक प्रोफेसर ए के मलिक एवं अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति से पूर्व आयुक्त ने की शिष्टाचार भेंट

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी से शिष्टाचार भेट करते हुए प्रयागराज मण्डल के पूर्व आयुक्त श्री बी. के. सिंह जी

प्रयागराज मण्डल के पूर्व आयुक्त श्री बी0 के0 सिंह जी ने दिनांक 24 जून, 2024 को उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी से शिष्टाचार भेंट की।

श्री सिंह उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की वित्त समिति के माननीय सदस्य के रुप में विश्वविद्यालय के विकास के लिए निरन्तर मार्गदर्शन करते रहे हैं। प्रयागराज में स्मार्ट सिटी योजना का कार्यान्वयन कराने का श्रेय आपको जाता है।

कुलपति के ताबड़तोड़ औचक निरीक्षण से नकलचियों में खलबली, केन्द्रों को चेताया

गॉधी शान्ति निकेतन डिग्री कालेज, गोहनिया, एस.एन. सेवा संस्थान गर्ल्स डिग्री कालेज, नैनी में परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्रीय परीक्षाओं में कुलपति के परीक्षा केन्द्रों के औचक निरीक्षण से नकलचियों में खलबली मच गई है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने मंगलवार दिनांक 25 जून, 2024 को प्रयागराज के यमुनापार में चार परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र अध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त सभी सुविधाएं परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों को दी जाएं। कुलपति ने चेतावनी दी कि जो मानक पूरे नहीं करेंगे उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उधर कुलपति के औचक निरीक्षण से परीक्षा केंद्र परिवर्तन की सुविधा का लाभ उठाकर नकल के भरोसे परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले परीक्षार्थियों की दाल नहीं गल पा रही है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने आज नंदकिशोर सिंह पीजी कॉलेज, नैनी, एस एन सेवा संस्थान गर्ल्स डिग्री कॉलेज, नैनी, गांधी शांति निकेतन डिग्री कॉलेज, गौहनिया तथा मोतीलाल नेहरू डिग्री कॉलेज, कौंधियारा स्थित परीक्षा केन्द्रों का दोनों पालियों में औचक निरीक्षण किया। कुलपति के परीक्षा केन्द्र पर पहुंचते ही खलबली मच गई। कुलपति अपने स्टाफ को छोड़कर अकेले ही परीक्षा कक्ष में पहुंच गए। कई केंद्रों में भीषण गर्मी में भी पंखा न चलने पर उन्होंने कड़ा रूख प्रदर्शित किया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों के लिए परीक्षा केंद्र को हर तरह की सुविधा प्रदान कर रहा है। ऐसी स्थिति में छात्रों को अनुमन्य सुविधाएं उपलब्ध न किए जाने पर रोष व्यक्त किया।

गाँधी शान्ति निकेतन डिग्री कालेज, गोहनिया, नन्द किशोर सिंह पी.जी. कालेज, नैनी में परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम इसके पूर्व बीबीएस डिग्री कॉलेज बरना, प्रतापगढ़, डिग्री कॉलेज, उपरदहा,बरौत तथा दयाशंकर महिला महाविद्यालय, फूलपुर का औचक निरीक्षण कर चुके हैं।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि पूरे उत्तर प्रदेश में मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए उड़ाका दल और प्रेक्षकों की टीम के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रभारी एवं समन्वयकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने क्षेत्र के परीक्षा केन्द्रों की प्रतिदिन की रिपोर्ट मुख्यालय को प्रेषित करेंगे। इसी क्रम में बुधवार 26 जून, 2024 को प्रातः 11:00 बजे सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रभारियों की बैठक कुलपति ने बुलाई है।

रीडर्स मैसेंजर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक · प्रातःकालीन हिन्दी दैनिक समाचार पत्र (लखनऊ संस्करण) · मूल्य ₹1/- · 21 June

मुक्त विश्वविद्यालय में आज होगा योग का विहंगम आयोजन

सुनील गिरी(रीडर्स मैसेंजर नेटवर्क)

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के अवसर पर यमुना परिसर स्थित त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र में योग का विहंगम कार्यक्रम प्रातः 8:00 बजे आयोजित किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि उमेश चंद्र गणेश केसरवानी, महापौर प्रयागराज होंगे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। इससे पूर्व आज मानसिक विकारों के प्रबंधन में योग की भूमिका एवं आधुनिक जीवन शैली जनित रोगों के लक्षण एवं इसके बचाव में योग संसाधनों की भूमिका विषय पर योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह ने व्याख्यान दिया। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर विश्वविद्यालय में मानव जीवन में योग की उपादेयता विषय पर निबंध प्रतियोगिता तथा वर्तमान संदर्भ में योग की प्राथमिकता विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें शोध छात्रों एवं छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। दोनों प्रतियोगिताओं के सफल प्रतिभागियों को शुक्रवार को विश्व योग दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि महापौर तथा कुलपति सम्मानित करेंगे। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रदेश का एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जहां से विगत वर्षों में हजारों शिक्षार्थी योग के प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा एवं डिग्री कार्यक्रम पूर्ण कर विभिन्न संस्थाओं में योग का प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। यमुना परिसर स्थित त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र में कल होने वाले योग के विहंगम कार्यक्रम की तैयारी को आज अंतिम रूप दिया गया।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि योग कार्यक्रम की सफलता के लिए पूरा विश्वविद्यालय परिवार उत्साहित है। इससे पूर्व गिनीज बुक में रिकॉर्ड बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन शपथ दिलवाकर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

SANYAM BHARAT

Daily News · FRIDAY, 21 JUNE 2024, PAGES 4, PRICE RS. 1.00 · EDIT · PRAYAGRAJ · NATION

Panoramic event of Yoga to be organized in Open University today

SPECIAL CORRESPONDENT

Prayagraj, Sanyam Bharat: Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj On the occasion of International Yoga Day 2024, a panoramic event of Yoga will be organized at Triveni Community Center located in Yamuna campus at 8:00 am. Has gone. The chief guest will be Mr. Umesh Chandra Ganesh Kesarwani, Mayor of Prayagraj and it will be presided over by Vice Chancellor Professor Satyakam. Earlier today, yoga instructor Amit Kumar Singh gave a lecture on the role of yoga in the management of mental disorders and the symptoms of diseases caused by modern lifestyle and the role of yoga resources in its prevention. Along with this, on the instructions of the Uttar Pradesh Government, an essay competition on the usefulness of Yoga in human life and a speech competition on the priority of Yoga in the present context were organized in the University under the auspices of the Humanities Department, in which research scholars and students- The girl students participated enthusiastically. The successful participants of both the competitions will be honored by the chief guest, the Mayor and the Vice Chancellor, on the occasion of World Yoga Day on Friday. Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University is the only university in the state from where thousands of students have completed yoga certificate, diploma, PG diploma and degree programs in the past years and are providing yoga training in various institutions. Preparations for the panoramic yoga program to be held tomorrow at Triveni Community Center located in Yamuna Complex were finalized today. Vice Chancellor Professor Satyakam said that the entire university family is excited for the success of the yoga program. Earlier, to create a record in the Guinness Book, the university has performed remarkably by administering oath online.

संयम भारत

हिन्दी दैनिक · 18 वर्षों से प्रगति के पथ पर अग्रसर · वर्ष : 18 अंक : 93 · नगर संस्करण · पृष्ठ - 4, मूल्य 1.00 रु० · उत्तर प्रदेश · शुक्रवार, 21 जून 2024 · प्रयागराज · विचार

मुक्त विश्वविद्यालय में आज होगा योग का विहंगम आयोजन

विशेष संवाददाता

atsamachar.in

मुक्त विश्वविद्यालय के साथ महापौर ने किया योग, मुक्त विश्वविद्यालय में योग का विहंगम आयोजन। - At...

निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत टीएन शर्मा की रिपोर्ट प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,

atsamachar.in

मुक्त विश्वविद्यालय के साथ महापौर ने किया योग, मुक्त विश्वविद्यालय में योग का विहंगम आयोजन।

https://atsamachar.in/archives/1650/the-mayor-organized-yoga-with-the-open-university-a-spectacular-event-of-yoga-was-organized-at-the-open-university

21:22

लक्ष्य समग्र

R.N.I. NO-UPHIN/2023/84746 · हिन्दी दैनिक समाचार पत्र · प्रयागराज से प्रकाशित · वर्ष : 02 · अंक : 86 · प्रयागराज, शनिवार 22 जून 2024 · पृष्ठ : 08 · मूल्य : 2.00 रुपया

मुक्त विश्वविद्यालय में योग का विहंगम आयोजन,निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

लक्ष्य समग्र

न्यायाधीश

समय से पहले 'समय' पर नजर

प्रयागराज,शनिवार 22 जून,2024

मुक्त विश्वविद्यालय के साथ महापौर ने किया योग,निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता भी हुई

https://twitter.com/nyayadheeshald · https://twitter.com/nyay...

संयम भारत

हिन्दी दैनिक · 18 वर्षों से प्रगति के पथ पर अग्रसर · वर्ष : 18 अंक : 94 · नगर संस्करण · पृष्ठ - 4, मूल्य 1.00 रु० · उत्तर प्रदेश · शनिवार, 22 जून 2024 · प्रयागराज · विचार

मुक्त विश्वविद्यालय के साथ महापौर ने किया योग

- मुक्त विश्वविद्यालय में योग का विहंगम आयोजन
- निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

विशेष संवाददाता

प्रयागराज, संयम भारतउत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के अवसर पर यमुना परिसर स्थित त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र में योग का विहंगम कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि उमेश चंद्र गणेश केसरवानी, महापौर प्रयागराज ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के साथ योग किया और योग की महत्ता प्रतिपादित की। इस अवसर पर उन्होंने निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। महापौर ने कहा कि योग हमारी जीवनी शक्ति को बढ़ाता है। योग करने से शारीरिक बीमारियों से छुटकारा मिलता है तथा मन शांत रहता है। उन्होंने कहा कि योग की शिक्षा प्रदान करने में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय हमेशा से अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने हमेशा से योग कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी है और आने वाले समय में भी योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय के योग शिक्षकों के सहयोग से ऑनलाइन तैयारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि योग से व्यक्ति मानसिक रूप से सुदृढ़ रहता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में योग अवश्य शामिल करना चाहिए। कुलपति ने कहा कि हमारी संकल्पना होगी कि विश्वविद्यालय में जो भी कार्यक्रम हो उसका प्रारंभ योग से हो। हर व्यक्ति तक योग को पहुंचाना हमारा मिशन होना चाहिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के योग शिक्षकों अमित कुमार सिंह, निकेत सिंह एवं अनुराग शुक्ला ने योग प्रोटोकॉल एवं प्राणायाम तथा विभिन्न योगासनों के सामूहिक प्रदर्शन के माध्यम से विश्व योग दिवस की सार्थकता को सिद्ध किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर विश्वविद्यालय में मानव जीवन में योग की उपादेयता विषय पर निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं में प्रथम दिग्विजय सिंह, द्वितीय ज्योति गुप्ता, एवं तृतीय विशाल भारती को तथा वर्तमान संदर्भ में योग की प्राथमिकता विषय पर भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं में प्रथम वैष्णवी सिंह, द्वितीय तुषार कुमार सिंह एवं तृतीय वरुणा को प्रमाण पत्र देकर मुख्य अतिथि महापौर श्री गणेश केसरवानी एवं कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सम्मानित किया। समारोह का संचालन विश्व योग दिवस 2024 के संयोजक डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शिक्षिकाओं ने कुलपति की धर्मपत्नी श्रीमती सीमा का अंग वस्त्रम प्रदान कर सम्मान किया। समारोह में विश्वविद्यालय के निदेशक, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं क्षेत्र की जनता उपस्थित रही।

SANYAM BHARAT NEWS

JEEVAN EXPRESS

EDITORIAL · NEWSCAST · SPORT

Mayor practiced yogasans in Open University

PRAYAGRAJ: On the occasion of International Yoga Day 2024, a grand yoga program was organized at Triveni Community Center located in Yamuna Campus at UPRTOU Prayagraj. Chief Guest Ganesh Kesarwani, Mayor did yoga with the university family. On this occasion, he honored the winning participants of the essay and speech competition by giving them certificates. Mayor said that doing yoga gives relief from physical ailments and keeps the mind calm. Presiding over the function, VC Prof Satyakam said that the Open University has always given priority to yoga programs and in the coming times also, online preparations will be done with the help of yoga teachers of the university to make yoga reach the masses. On this occasion, yoga teachers of the university Amit Kumar Singh, Niket Singh and Anurag Shukla performed yoga protocol and pranayama and various yogasanas collectively. The ceremony was conducted by Dr. Devesh Ranjan Tripathi, Convener of World Yoga Day 2024 and vote of thanks was given by Registrar Colonel Vinay Kumar. On this occasion, the teachers of the university honored the Vice Chancellor's wife Mrs. Seema by presenting her shawl. The university director, officers, teachers, employees, students and people of the area were present at the function.

अनुराग दर्शन

मुक्त विश्वविद्यालय के साथ महापौर ने किया योग

मुक्त विश्वविद्यालय में योग का विहंगम आयोजन निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

जून, 2024 **3**

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया, क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ व भारतीय योग परिषद लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में एक गोष्ठी का शीर्षक विषय–"नारी सशक्तिकरण के लिए योग एवं आधुनिक जीवनशैली में योग का महत्व" विषय पर परिचर्चा हुई। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती जी पर

पुष्प एवं माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। सहज आसन भी किए गए। भारतीय योग परिषद के निदेशक श्री सर्वेश कुमार जी ने विषय पर अपने विचार रखें। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ नीरांजलि सिन्हा ने मंच पर पधारे सभी अतिथियों का स्वागत एवं सतकार किया और योग को मानव जीवन में एक निरन्तर किये जाने पर जोर दिया। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के अश्वनी जी ने सभी का अभिवादन किया। श्री अंशुल त्रिपाठी योगाचार्य व ज्योतिषाचार्य तथा श्री कुणाल वर्मा जो की योग एवम फिजियोथैरेपी के विशेषज्ञ हैं, ने सुशोभित किया। मंच पर पधारे प्रतिभागी श्री बलराम वर्मा, नीलू पाण्डेय, सुमिता मन्दानी, माला गुप्ता, संतोष सिंह, बृज मिश्रा, योगाचार्या वान्या मिश्रा व योगाचार्या समरीन ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग किये जाने को लेकर अपने–अपने विचार रखें। अतिथियों का स्वागत पुष्प एवं प्रतीक चिन्ह के द्वारा किया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय केंद्र के समस्त स्टाफ की सहभागिता भी थी। धन्यवाद ज्ञापन एवं पांच बार ओम के उच्चारण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

अमर उजाला — कानपुर, सोमवार, 24 जून 2024

राजकीय पीजी कॉलेज हमीरपुर के परीक्षार्थियों का सेंटर बदला

नकल की सूचना पर मुक्त विवि ने लिया निर्णय, अब कानपुर क्षेत्रीय केंद्र में होंगी परीक्षा

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने नकल की सूचना पर राजकीय पीजी कॉलेज, हमीरपुर में परीक्षा दे रहे परीक्षार्थियों का सेंटर बदल दिया है।

ये परीक्षार्थी 24 जून से मुक्त विवि के कानपुर क्षेत्रीय केंद्र, भूखंड संख्या-चार, डब्ल्यू ब्लॉक, गुल मोहर बिहार, जूही कानपुर नगर (ईश्वर प्रेम आश्रम के ठीक सामने, नौबस्ता) में परीक्षा देंगे।

परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह ने सभी परीक्षार्थियों को निर्धारित तिथि एवं समय पर कानपुर क्षेत्रीय केंद्र में उपस्थित होकर परीक्षा में प्रतिभाग करने को कहा है। हालांकि, राजकीय पीजी कॉलेज हमीरपुर में अभी नकल की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने एहतियातन परीक्षा केंद्र बदल दिया है। साथ ही विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.सत्यकाम के आदेश पर जांच शुरू कर दी गई है।

कुलपति ने चलाया चाबुक, कहा-नकल की शिकायत मिली तो निरस्त होंगे परीक्षा केंद्र

कुलपति ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की प्रदेशभर में चल रही परीक्षाओं की शुचिता के साथ किसी भी स्थिति में खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हमीरपुर के एक परीक्षा केंद्र पर प्राचार्य और केंद्र समन्वयक में आपसी समन्वय के अभाव में केंद्र पर कथित नकल की सूचना का गंभीरता से संज्ञान लिया गया है। मुक्त विवि की परीक्षाओं को गंभीरता से न लेने वाले ऐसे परीक्षा केंद्रों को तुरंत निरस्त किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि मुक्त विवि पूरे प्रदेश में पारदर्शिता पूर्ण ढंग से परीक्षा कराने के लिए संकल्पबद्ध है।

दूरस्थ शिक्षा में लंबा प्रशासनिक अनुभव रखने वाले प्रो.सत्यकाम ने कुछ दिनों पहले ही राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति का पद संभाला है। इससे पूर्व वह इग्नू में प्रतिकुलपति के पद पर कार्यरत थे। कुलपति ने बताया कि हमीरपुर के परीक्षा केंद्र की मीडिया में आई खबरों का संज्ञान लेते हुए इस प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

R.N.I. : UPHIN/2012/52437 · Website : www.mantrabharat.com · जुनून है सच लिखने का · डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एसडी0/119/15-17

संस्करण : प्रयागराज · वर्ष : 13 · अंक : 288 · पृष्ठ : 8 · मूल्य : 1.00 · सोमवार, 24 जून, 2024

मंत्र भारत हिन्दी दैनिक

कुलपति ने चलाया चाबुक, नकल की शिकायत मिली तो निरस्त होंगे परीक्षा केन्द्र

परीक्षाओं की शुचिता के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं-कुलपति

राजकीय पीजी कॉलेज हमीरपुर के परीक्षार्थी अब कानपुर क्षेत्रीय केंद्र पर देंगे परीक्षा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की प्रदेश भर में चल रही परीक्षाओं की शुचिता के साथ किसी भी स्थिति में खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमीरपुर के एक परीक्षा केंद्र पर प्राचार्य और केन्द्र समन्वयक में आपसी समन्वय के अभाव में केंद्र पर कथित एवं भ्रामक नकल की सूचना का गंभीरता से संज्ञान ... प्रोफेसर सत्यकाम ने अभी कुछ दिनों पूर्व ही उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति का पद का दायित्व ग्रहण किया है। इसके पूर्व प्रोफेसर सत्यकाम इग्नू में प्रतिकुलपति के पद पर कार्यरत थे। ...

R.N.I. NO-UPHIN/2023/84746 · हिन्दी दैनिक समाचार पत्र · प्रयागराज से प्रकाशित

लक्ष्य समग्र — LS NEWS

वर्ष : 02 · अंक : 88 · प्रयागराज, सोमवार 24 जून 2024 · पृष्ठ : 08 · मूल्य : 2.00 रूपया

हिन्दी दैनिक · लक्ष्य समग्र · प्रयागराज/आस-पास

परीक्षाओं की शुचिता के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं-कुलपति

- कुलपति ने चलाया चाबुक,नकल की शिकायत मिली तो निरस्त होंगे परीक्षा केन्द्र
- राजकीय पीजी कॉलेज हमीरपुर के परीक्षार्थी अब कानपुर क्षेत्रीय केंद्र पर देंगे परीक्षा

लक्ष्य समग्र

प्रयागराज - उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की प्रदेश भर में चल रही परीक्षाओं की शुचिता के साथ किसी भी स्थिति में खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमीरपुर के एक परीक्षा केंद्र पर प्राचार्य और केन्द्र समन्वयक में आपसी समन्वय के ...

समय से पहले 'समय' पर नजर

न्यायाधीश

प्रयागराज,सोमवार 24 जून,2024

परीक्षाओं की शुचिता के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं-कुलपति

कुलपति ने चलाया चाबुक, नकल की शिकायत मिली तो निरस्त होंगे परीक्षा केन्द्र,राजकीय पीजी कॉलेज हमीरपुर के परीक्षार्थी अब कानपुर क्षेत्रीय केंद्र पर देंगे परीक्षा

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की प्रदेश भर में चल रही परीक्षाओं की शुचिता के साथ किसी भी स्थिति में खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमीरपुर के एक परीक्षा केंद्र पर प्राचार्य और केन्द्र समन्वयक में आपसी समन्वय के अभाव में केंद्र पर कथित एवं भ्रामक नकल की सूचना का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए कुलपति प्रोफेसर ...

दैनिक **लोकमित्र** सच्चाई की जंग

परीक्षाओं की शुचिता के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं- कुलपति

राजकीय पीजी कॉलेज हमीरपुर के परीक्षार्थी अब कानपुर क्षेत्रीय केंद्र पर देंगे परीक्षा

कारण दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था में नियमित उपस्थिति की अनिवार्यता नहीं है। दूरस्थ शिक्षा का लक्ष्य लोगों को घर तक शिक्षा उपलब्ध करवाना है। इसी के मद्देनजर पूरे उत्तर प्रदेश में परीक्षा केन्द्रों का निर्धारण कर परीक्षाएं संपन्न कराई जा रही हैं। उत्तर प्रदेश में नकल विहीन एवं पारदर्शितापूर्ण परीक्षा आयोजित करवाने के लिए पर्यवेक्षकों एवं ...

अमर उजाला

हमीरपुर के परीक्षार्थियों का सेंटर बदला गया

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने नकल की सूचना पर राजकीय पीजी कॉलेज, हमीरपुर में परीक्षा दे रहे परीक्षार्थियों का सेंटर बदल दिया है। ये परीक्षार्थी 24 जून से मुक्त विवि के कानपुर क्षेत्रीय केंद्र, भूखंड संख्या-चार, डब्ल्यू ब्लॉक, गुल मोहर बिहार, जूही कानपुर नगर में परीक्षा देंगे।

परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह ने सभी परीक्षार्थियों को निर्धारित तिथि एवं समय पर कानपुर क्षेत्रीय केंद्र में उपस्थित होकर परीक्षा में प्रतिभाग करने को कहा है। हालांकि, राजकीय पीजी कॉलेज हमीरपुर में अभी नकल की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने एहतियातन परीक्षा केंद्र बदल दिया है।

साथ ही विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.सत्यकाम के आदेश पर जांच शुरू कर दी गई है। कुलपति ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की प्रदेशभर में चल रही परीक्षाओं की शुचिता के साथ किसी भी स्थिति में खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमीरपुर के एक परीक्षा केंद्र पर प्राचार्य और केंद्र समन्वयक में आपसी समन्वय के अभाव में केंद्र पर कथित नकल की सूचना का गंभीरता से संज्ञान लिया गया है। ब्यूरो

---

3 राजधानी · 6 अभिमत · 11 विदेश · 12 स्पोर्ट्स

पायनियर — www.dailypioneer.com

परीक्षाओं की शुचिता के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

कुलपति ने चलाया चाबुक, नकल की शिकायत मिली तो निरस्त होंगे सेंटर

राजकीय पीजी कॉलेज हमीरपुर के परीक्षार्थी अब कानपुर क्षेत्रीय केंद्र पर देंगे परीक्षा

प्रयागराज, सोमवार, 24 जून, 2024

जनसंदेश टाइम्स परख सच की

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

अन्दर : जल और जीवन: खतरे की घंटी

परीक्षाओं की शुचिता के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : कुलपति

कुलपति ने चलाया चाबुक, नकल की शिकायत मिली तो निरस्त होंगे परीक्षा केन्द्र

परीक्षा — राजकीय पीजी कॉलेज हमीरपुर के परीक्षार्थी अब कानपुर क्षेत्रीय केंद्र पर देंगे परीक्षा

आज

गौरव शाली परंपरा का १०३ वां वर्ष

प्रयागराज, सोमवार २४ जून, २०२४ सौर आषाढ़ १०, आषाढ़ कृष्ण ३ सं. २०८१ वि.।

परीक्षाओंको गंभीरतासे नहीं ले रहे केन्द्रोंको तुरंत निरस्त करेंगे - कुलपति

कुलपतिने जिलेके विभिन्न परीक्षा केन्द्रोंका किया निरीक्षण

राजकीय पीजी कालेज हमीरपुरकी परीक्षा अब कानपुर क्षेत्रीय केंद्रपर होगी

कुलपति के ताबड़तोड़ औचक निरीक्षण से नकलचियों में खलबली, केन्द्रों को चेताया। - At Samachar

टीएन शर्मा की रिपोर्ट प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्रीय परीक्षाओं में कुलपति के परीक्षा

atsamachar.in

कुलपति के ताबड़तोड़ औचक निरीक्षण से नकलचियों में खलबली, केन्द्रों को चेताया।

https://atsamachar.in/archives/1686/the-centers-were-warned-about-the-panic-among-the-copycats-due-to-the-sudden-surprise-inspection-of-the-vice-chancellor

18:33

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

युनाइटेड भारत हिन्दी दैनिक — सिर्फ सच के साथ

सोमवार 24 जून 2024 प्रयागराज, वर्ष : 24, अंक : 236, पेज : 12 , मूल्य : 3.00 रूपए · www.facebook.com/ubepaper · unitedbharat21@gmail.com

परीक्षाओं की शुचिता के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : कुलपति

कुलपति ने चलाया चाबुक, नकल की शिकायत मिली तो निरस्त होंगे परीक्षा केन्द्र, राजकीय पीजी कॉलेज हमीरपुर के परीक्षार्थी अब कानपुर क्षेत्रीय केंद्र पर देंगे परीक्षा

युनाइटेड भारत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की प्रदेश भर में चल रही परीक्षाओं की शुचिता के साथ किसी भी स्थिति में खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमीरपुर के एक परीक्षा केंद्र पर प्राचार्य और केन्द्र समन्वयक में आपसी समन्वय के अभाव में केंद्र पर कथित एवं भ्रामक नकल की सूचना का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाओं को गंभीरता से न लेने वाले ऐसे परीक्षा केन्द्रों को तुरंत निरस्त किया जाएगा। ...

राज्य राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय मनोरंजन खेल राजनीति क्राइम आज फोकस में धर्म स्वास्थ्य सबसे अच्छी खबर ई-पेपर

कुलपति के ताबड़तोड़ औचक निरीक्षण से नकलचियों में खलबली, केन्द्रों को चेताया।

AT Samachar June 25, 2024 6:22 pm No Comments

समाचार सुनने के लिए यहां क्लिक करें

टीएन शर्मा की रिपोर्ट

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्रीय परीक्षाओं में कुलपति के परीक्षा केन्द्रों के औचक निरीक्षण से नकलचियों में खलबली मच गई है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने मंगलवार को प्रयागराज के यमुनापार में चार परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र अध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त सभी सुविधाएं परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों को दी जाएं। कुलपति ने चेतावनी दी कि जो मानक पूरे नहीं करेंगे उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उधर कुलपति के औचक निरीक्षण से परीक्षा केंद्र परिवर्तन की सुविधा का लाभ उठाकर नकल के भरोसे परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले परीक्षार्थियों की दाल नहीं गल पा रही है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने आज नंदकिशोर सिंह पीजी कॉलेज, नैनी, एस एन सेवा संस्थान गर्ल्स डिग्री कॉलेज, नैनी, गांधी शांति निकेतन डिग्री कॉलेज, गौहनिया तथा मोतीलाल नेहरू डिग्री कॉलेज, कौंधियारा स्थित परीक्षा केन्द्रों का दोनों पालियों में औचक निरीक्षण किया। कुलपति के परीक्षा केन्द्र पर पहुंचते ही खलबली मच गई। कुलपति अपने स्टाफ को छोड़कर अकेले ही परीक्षा कक्ष में पहुंच गए। कई केंद्रों में भीषण गर्मी में भी पंखा न चलने पर उन्होंने कड़ा रूख प्रदर्शित किया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों के लिए परीक्षा केंद्र को हर तरह की सुविधा प्रदान कर रहा है। ऐसी स्थिति में छात्रों को अनुमन्य सुविधाएं उपलब्ध न किए जाने पर रोष व्यक्त किया।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम इसके पूर्व बीबीएस डिग्री कॉलेज बरना, प्रतापगढ़, डिग्री कॉलेज, उपरदहा,बरौत तथा दयाशंकर महिला महाविद्यालय, फूलपुर का औचक निरीक्षण कर चुके हैं।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि पूरे उत्तर प्रदेश में मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए उड़ाका दल और प्रेक्षकों की टीम के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रभारी एवं समन्वयकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने क्षेत्र के परीक्षा केन्द्रों की प्रतिदिन की रिपोर्ट मुख्यालय को प्रेषित करेंगे। इसी क्रम में बुधवार 26 जून को प्रातः 11:00 बजे सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रभारियों की बैठक कुलपति ने बुलाई है।

Voice Of Allahabad NEWS
प्रयागराज
वर्ष : 10
अंक : 200
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया
शुक्रवार 28 जून 2024
हिन्दी दैनिक
R.N.I No. UPHIN/2014/59094
वॉइस ऑफ इलाहाबाद
खबर वही जो सच हो...
Voice Of Allahabad - Hindi Dainik E-mail:-voiceofallahabadnews@gmail.com www.voiceofallahabad.com

प्रतिभाशाली और ईमानदार नौकरशाह थे मुचकुंद दुबेः प्रो सत्यकाम

पूर्व विदेश सचिव के निधन पर कुलपति ने शोक जताया, दी श्रद्धांजलि

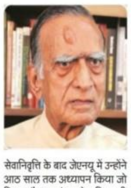

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

प्रयागराज (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने भारत के प्रतिष्ठित पूर्व विदेश सचिव और जेएनयू के प्रतिष्ठित प्रोफेसर मुचकुंद दुबे के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि एक अत्यंत प्रतिभाशाली और ईमानदार नौकरशाह के रूप में उन्होंने भारत का कई जगह प्रतिनिधित्व किया। वह 1957 में भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुए। बांग्लादेश में उच्चायुक्त और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि के रूप में कार्य किया। कुलपति ने बताया कि कूटनीति से परे उनकी विद्वतापूर्ण गतिविधियां व्यापक थीं। उन्होंने पटना विश्वविद्यालय, ऑक्सफ़ोर्ड और न्यूयॉर्क विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डिग्री और कलकत्ता विश्वविद्यालय से डी.लिट की उपाधि प्राप्त की। भारतीय विदेश सेवा से सेवानिवृत्ति के बाद जेएनयू में उन्होंने आठ साल तक अध्यापन किया जो शिक्षा और अनुसंधान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि प्रोफेसर दुबे का योगदान वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, विकास सहयोग और दक्षिण एशियाई सहयोग तक फैला हुआ है। उन्होंने इन विषयों पर कई किताबें और पत्र लिखे, जिन्होंने नीति और शिक्षा जगत पर गहरा प्रभाव छोड़ा। उनके शोध रुचि में विश्व अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और मौद्रिक प्रणाली, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और निरस्त्रीकरण, विकास सहयोग, विशेष रूप से दक्षिण एशियाई सहयोग और भारत में सामाजिक और आर्थिक विकास सम्बंधित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी। वह अपने पीछे प्रतिष्ठित राजनयिक सेवा और अर्थशास्त्र तथा अंतरराष्ट्रीय सम्बंधों में विद्वतापूर्ण योगदान की विरासत छोड़ गए हैं।

प्रोफेसर सत्यकाम ने उनके परिजनों को सांत्वना देते हुए उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। कहा कि मुचकुंद दुबे के परिवार से उनका गहरा नाता था। उन्होंने इस क्षति को गहराई से महसूस किया। प्रो दुबे का प्रयागराज से भी गहरा पारिवारिक नाता था। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि परिवार ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी।

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग

प्रतिभाशाली और ईमानदार नौकरशाह थे मुचकुंद दुबे- प्रो सत्यकाम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने भारत के प्रतिष्ठित पूर्व विदेश सचिव और जेएनयू के प्रतिष्ठित प्रोफेसर मुचकुंद दुबे के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि एक अत्यंत प्रतिभाशाली और ईमानदार नौकरशाह के रूप में उन्होंने भारत का कई जगह प्रतिनिधित्व किया। वह 1957 में भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुए। बांग्लादेश में उच्चायुक्त और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि के रूप में कार्य किया। कूटनीति से परे उनकी विद्वतापूर्ण गतिविधियां व्यापक थीं। उन्होंने पटना विश्वविद्यालय, ऑक्सफ़ोर्ड और न्यूयॉर्क विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डिग्री और कलकत्ता विश्वविद्यालय से डी.लिट की उपाधि प्राप्त की। भारतीय विदेश सेवा से सेवानिवृत्ति के बाद जेएनयू में उन्होंने आठ साल तक अध्यापन किया जो शिक्षा और अनुसंधान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि प्रोफेसर दुबे का योगदान वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, विकास सहयोग और दक्षिण एशियाई सहयोग तक फैला हुआ है। उन्होंने इन विषयों पर कई किताबें और पत्र लिखे, जिन्होंने नीति और शिक्षा जगत पर गहरा प्रभाव छोड़ा। उनकी शोध रुचि में विश्व अर्थव्यवस्था, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और मौद्रिक प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा और निरस्त्रीकरण, विकास सहयोग, विशेष रूप से दक्षिण एशियाई सहयोग और भारत में सामाजिक और आर्थिक विकास से संबंधित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी।

प्रोफेसर सत्यकाम ने उनके परिजनों को सांत्वना देते हुए उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुचकुंद दुबे के परिवार से उनका गहरा नाता था। उन्होंने इस क्षति को गहराई से महसूस किया। प्रोफेसर मुचकुंद दुबे का प्रयागराज से भी गहरा पारिवारिक नाता था। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय परिवार ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी।

R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 13
अंक : 292
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शुक्रवार, 28 जून, 2024
जुनून है सच लिखने का
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्ज़ापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

प्रतिभाशाली और ईमानदार नौकरशाह थे मुचकुंद दुबे - प्रोफेसर सत्यकाम

पूर्व विदेश सचिव के निधन पर कुलपति ने शोक जताया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने भारत के प्रतिष्ठित पूर्व विदेश सचिव और जेएनयू के प्रतिष्ठित प्रोफेसर मुचकुंद दुबे के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि एक अत्यंत प्रतिभाशाली और ईमानदार नौकरशाह के रूप में उन्होंने भारत का कई जगह प्रतिनिधित्व किया। वह 1957 में भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुए। बांग्लादेश में उच्चायुक्त और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि के रूप में कार्य किया। कूटनीति से परे उनकी विद्वतापूर्ण गतिविधियाँ व्यापक थीं। उन्होंने पटना विश्वविद्यालय, ऑक्सफ़ोर्ड और न्यूयॉर्क विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डिग्री और कलकत्ता विश्वविद्यालय से

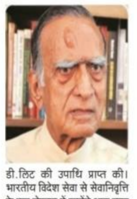

डी.लिट की उपाधि प्राप्त की। भारतीय विदेश सेवा से सेवानिवृत्ति के बाद जेएनयू में उन्होंने आठ साल तक अध्यापन किया जो शिक्षा और अनुसंधान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि प्रोफेसर दुबे का योगदान वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, विकास सहयोग और दक्षिण एशियाई सहयोग तक फैला हुआ है। उन्होंने इन विषयों पर कई किताबें और पत्र लिखे, जिन्होंने नीति और शिक्षा जगत पर गहरा प्रभाव छोड़ा। उनकी शोध रुचि में विश्व अर्थव्यवस्था, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और मौद्रिक प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा और निरस्त्रीकरण, विकास सहयोग, विशेष रूप से दक्षिण एशियाई सहयोग और भारत में सामाजिक और आर्थिक विकास से संबंधित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी। वह अपने पीछे प्रतिष्ठित राजनयिक सेवा और अर्थशास्त्र तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में विद्वतापूर्ण योगदान की विरासत छोड़ गए हैं।

प्रोफेसर सत्यकाम ने उनके परिजनों को सांत्वना देते हुए उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुचकुंद दुबे के परिवार से उनका गहरा नाता था। उन्होंने इस क्षति को गहराई से महसूस किया। प्रोफेसर मुचकुंद दुबे का प्रयागराज से भी गहरा पारिवारिक नाता था। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय परिवार ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी।

VOL. 16
NO. 176
MORNING EDITION
PRAYAGRAJ
JUSTICE EXPRESS
FRIDAY, 28 JUNE 2024, PAGE 1-8 www.justiceexpress2009@gmail.com RNI: UPENG/2009/28741
CITY WORLD SPORTS

Muchkund Dubey was a talented and honest bureaucrat - Professor Satyakam

Vice Chancellor condoles the death of former Foreign Secretary

JE CORRESPONDENT

Prayagraj: Professor Satyakam, Vice Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Prayagraj has expressed deep sorrow over the demise of India's distinguished former Foreign Secretary and JNU's distinguished Professor Muchkund Dubey. Professor Satyakam said that as an extremely talented and honest bureaucrat, he represented India in many places. He joined the Indian Foreign Service in 1957. Served as High Commissioner to Bangladesh and India's Permanent Representative to the United Nations. His scholarly activities beyond diplomacy were extensive. He obtained degrees in economics from Patna University, Oxford and New York Universities

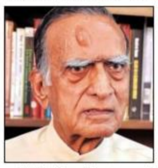

and D.Litt from Calcutta University. After retirement from the Indian Foreign Service, he taught at JNU for eight years which underlines his commitment to education and research.

Professor Satyakam said that Professor Dube's contributions spanned the global economy, international security, development cooperation and South Asian cooperation. He wrote numerous books and papers on these subjects which left a profound impact on policy and academia. His research interests covered a wide range of topics relating to the world economy, international trade and monetary systems, international security and disarmament, development cooperation, particularly South Asian cooperation and social and economic development in India. He leaves behind a legacy of distinguished diplomatic service and scholarly contributions to economics and international relations.

Professor Satyakam consoled his family and expressed deep condolences on his demise. Professor Satyakam said that he had a deep relationship with Muchkund Dubey's family. He felt this loss deeply. Professor Muchkund Dubey also had a deep family relationship with Prayagraj. Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University family paid tribute by offering tributes for the peace of the departed soul.

पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 28 जून, 2024

प्रतिभाशाली और ईमानदार नौकरशाह थे मुचकुंद दुबे

पूर्व विदेश सचिव के निधन पर कुलपति ने जताया शोक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो सत्यकाम ने देश के पूर्व विदेश सचिव और जेएनयू के प्रोफेसर रहे मुचकुंद दुबे के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। प्रो सत्यकाम ने कहा कि एक अत्यंत प्रतिभाशाली और ईमानदार नौकरशाह के रूप में उन्होंने भारत का कई जगह प्रतिनिधित्व किया। वह 1957 में भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुए। बांग्लादेश में उच्चायुक्त और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि के रूप में कार्य किया। कूटनीति से परे उनकी विद्वतापूर्ण गतिविधियाँ व्यापक थी। उन्होंने पटना विश्वविद्यालय ऑक्सफोर्ड और न्यूयॉर्क विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डिग्री और कलकत्ता विश्वविद्यालय से डी लिट की उपाधि प्राप्त की। भारतीय विदेश सेवा से सेवानिवृत्ति के बाद जेएनयू में उन्होंने आठ साल तक अध्यापन कार्य किया जो शिक्षा और अनुसंधान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। प्रो सत्यकाम ने कहा कि प्रो दुबे का योगदान वैश्विक अर्थव्यवस्था अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा विकास सहयोग और दक्षिण एशियाई सहयोग तक फैला हुआ है। उन्होंने इन विषयों पर कई किताबें और पत्र लिखे जिन्होंने नीति और शिक्षा जगत पर गहरा प्रभाव छोड़ा। उनकी शोध रुचि में विश्व अर्थव्यवस्था अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और मौद्रिक प्रणाली अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा और निरस्त्रीकरण विकास सहयोग विशेष रूप से दक्षिण एशियाई सहयोग और भारत में सामाजिक और आर्थिक विकास से संबंधित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी। वह अपने पीछे प्रतिष्ठित राजनयिक सेवा और अर्थशास्त्र तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में विद्वतापूर्ण योगदान की विरासत छोड़ गए हैं। प्रो सत्यकाम ने उनके परिजनों को सांत्वना देते हुए उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। प्रो सत्यकाम ने कहा कि मुचकुंद दुबे के परिवार से उनका गहरा नाता था। उन्होंने इस क्षति को गहराई से महसूस किया। प्रो मुचकुंद दुबे का प्रयागराज से भी गहरा पारिवारिक नाता रहा है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय परिवार ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। यह जानकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र जनसंपर्क अधिकारी ने दी है।

Daily News
VOL. 02
NO. 290
MORNING EDITION
PRAYAGRAJ
SANYAM BHARAT
FRIDAY, 28 JUNE 2024, PAGES 4, PRICE RS. 1.00
Padhiye Dil Aur Shan Se....
EDIT PRAYAGRAJ NATION

Muchkund Dubey was talented and honest bureaucrat: Prof Satyakam

Vice Chancellor expressed condolences on the demise of the former Foreign Secretary

SPECIAL CORRESPONDENT

Prayagraj, Sanyam Bharat: Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Prayagraj Vice Chancellor Professor Satyakam expressed grief over the demise of India's distinguished former Foreign Secretary and JNU's distinguished Professor Muchkund. Deeply saddened on the demise of Dubey. Professor Satyakam said that as a very talented and honest bureaucrat, he represented India at many places. He joined the Indian Foreign Service in 1957. Served as High Commissioner to Bangladesh and India's Permanent Representative to the United Nations. His scholarly activities extended beyond diplomacy. He received degrees in Economics from Patna University, Oxford and New York Universities and a D.Litt

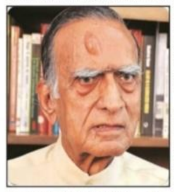

from Calcutta University. After retirement from the Indian Foreign Service, he taught at JNU for eight years, which underlines his commitment to education and research.

Professor Satyakam said that Professor Dubey's contributions span the global economy, international security, development cooperation and South Asian cooperation.

He wrote many books and papers on these subjects, which left a deep impact on policy and academia. His research interests included a wide range of topics related to the world economy, international trade and monetary systems, international security and disarmament, development cooperation, especially South Asian cooperation, and social and economic development in India. He leaves behind a legacy of distinguished diplomatic service and scholarly contributions to economics and international relations. Professor Satyakam expressed deep condolences on his demise while consoling his family. Professor Satyakam said that he had a deep connection with Muchkund Dubey's family. He felt this loss deeply. Professor Muchkund Dubey also had deep family ties with Prayagraj. The family of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University paid tribute to the peace of the departed soul.

हिन्दी दैनिक
वर्ष : 18 अंक : 101
नगर संस्करण,
पृष्ठ - 4,
मूल्य 1.00 रु0
18 वर्षों से प्रगति के पथ पर अग्रसर
संयम भारत
उत्तर प्रदेश शनिवार, 29 जून 2024 प्रयागराज विचार

10 जिलों में मुविवि की बी एड एवं बी एड स्पेशल की प्रवेश परीक्षा आज

विशेष संवाददाता

प्रयागराज, संयम भारत,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र 2024- 25 की बी एड एवं बी एड स्पेशल एजुकेशन की प्रवेश परीक्षा शनिवार 29 जून 2024 को प्रदेश के 10 जिलों के 13 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रवेश परीक्षा प्रातः 10:00 से दोपहर 1:00 तक आयोजित की जाएगी। प्रवेश परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रोफेसर पी के स्टालिन ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के सफल संचालन के लिए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के निर्देश पर सभी केंद्रों पर पर्यवेक्षकों की तैनाती कर दी गई है। इसके साथ ही कोर कमेटी के सदस्य परीक्षा केंद्रों पर तैनात रहेंगे। यह प्रवेश परीक्षा प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के

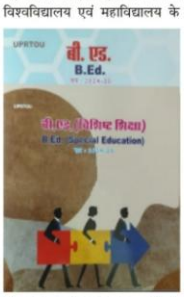

वरिष्ठ आचार्य एवं प्राध्यापकों के देखरेख में संपन्न की जाएगी। प्रवेश परीक्षा में 6036 अभ्यर्थी शामिल होंगे। सभी अभ्यर्थी प्रवेश पत्र डाउनलोड कर परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। प्रोफेसर स्टालिन ने बताया कि अभ्यर्थियों की सहूलियत का ध्यान रखते हुए प्रवेश परीक्षा प्रदेश के आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी एवं प्रयागराज में आयोजित की जा रही है। प्रयागराज में राजकीय इंटर कॉलेज तथा विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित केंद्रीय पुस्तकालय में परीक्षा केंद्र बनाया गया है। प्रदेश के किसी भी केंद्र पर अभ्यर्थियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए विश्वविद्यालय में हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। जहां प्रवेश परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के सदस्य मुस्तैद रहेंगे, उक्त कि सूचना डॉ प्रभात चंद्र मिश्र, जन संपर्क अधिकारी ने दी।

मुक्त विश्वविद्यालय की बीएड प्रवेश परीक्षा आज

बरेली, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्र 2024-25 की बीएड और बीएड स्पेशल की प्रवेश परीक्षा शनिवार को 10 जिलों में 13 केंद्रों पर होगी। बरेली में बरेली कॉलेज में केंद्र बनाया गया है। इसमें 169 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

प्रवेश परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक आयोजित होगी। प्रवेश परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रो. पी के स्टालिन ने बताया कि कुलपति प्रो. सत्यकाम के निर्देश पर सभी केंद्रों पर पर्यवेक्षकों की तैनाती कर दी गई है। प्रदेश में प्रवेश परीक्षा में 6036 अभ्यर्थी शामिल होंगे। बरेली के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. आरबी सिंह ने बताया कि बरेली कॉलेज में केंद्र में परीक्षा की सभी तैयारियां कर ली गई हैं।

प्रोफेसर पी. पी. दुबे मुक्त विश्वविद्यालय से हुए सेवानिवृत्त

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विष्वविद्यालय, प्रयागराज के कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो. पी. पी. दुबे शनिवार दिनांक 29 जून, 204 को सेवानिवृत्त हो गये। इस अवसर पर विष्वविद्यालय द्वारा अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता विष्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की।

इस अवसर पर प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. एस. कुमार, प्रो. सत्यपाल तिवारी, प्रो. पी. के. स्टालिन, प्रो. पी, के. पाण्डेय, डॉ. जी. के. द्विवेदी, सीमा सिंह, सत्यवीर राम त्रिपाठी, अभिलाष आदि ने प्रो. दुबे के कार्यों की सराहना करते हुए उनके साथ व्यतीत किए समय को साझा किया। माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने प्रो. दुबे को स्मृति चिन्ह एवं अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 देवेष रंजन त्रिपाठी ने किया तथा कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रो. दुबे के परिजन भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

विष्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुती

मानानीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए प्रो0 आशुतोष गुप्ता

प्रो0 पी0 पी0 दुबे जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

प्रो0 पी0 पी0 दुबे जी की धर्मपत्नी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 दीप शिखा श्रीवास्तव

प्रो. पी. पी. दुबे जी के कार्यों की सराहना एवं उनके साथ व्यतीत किए समय को साझा करते हुए प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. एस. कुमार, प्रो. सत्यपाल तिवारी, प्रो. पी. के. स्टालिन, प्रो. पी. के. पाण्डेय, डॉ. जी. के. द्विवेदी, सीमा सिंह, सत्यवीर राम त्रिपाठी एवं अभिलाष

प्रशस्ति पत्र का वाचन करते हुए डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी

प्रो. पी.पी. दुबे जी को प्रशस्ति पत्र भेंट करते हुए माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी तथा साथ में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

अभिनन्दन पत्र

प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे

सागर सा गहरा हृदय है
गिरि से ऊंचा है, जिसका मन
ज्योतिर्मय है, सहज सरल अंतर्मन
निष्ठा की सुगन्ध से, सुवासित किया जिसने यह मुक्त उपवन
ऐसे हृदयाशीष प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे जी का
आओ हम सब मिल करें 'अभिनंदन'

कर्मण्येवाधिकारस्ते.. के उच्च आदर्शों को लक्ष्य बनाकर ऐसे हृदयाशीष प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने दिनांक- 25 जुलाई, 1994 को प्रयागराज के प्रतिष्ठित कुलभाष्कर आश्रम पी0जी0 कॉलेज में अध्यापन कार्य प्रारम्भ किया तत्पश्चात् दिनांक- 04 दिसम्बर, 2010 को मुक्त विश्वविद्यालय के माध्यम से शिक्षा-जगत की सेवा का व्रत लेकर जनसामान्य तक विश्वविद्यालय के आदर्श वाक्य **''हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ''** को सिद्ध करने का निरंतर प्रयास करते हुए, आज दिनांक 30 जून, 2024 को निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा के पद से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। आपके उच्च आचरण और व्यवहार की मिलनसरिता, सहृदयता, मृदुभाषिता और संवेदनशीलता ने शिक्षार्थियों तथा विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों का मार्गदर्शन कर उन्हें प्रगति के सोपान तक पहुँचाने में निरन्तर सहायता प्रदान की है। **जिस हेतु विश्वविद्यालय के रजत जयन्ती वर्ष में आयोजित स्थापना दिवस समारोह में मा0 कुलाधिपति /श्रीराज्यपाल उत्तर प्रदेश, श्रीमती आनन्दी बेन पटेल जी ने आपको विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के रूप में अलङ्करण प्रदान किया।**

मुक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक तथा सामाजिक कार्यक्रमों में आपकी भूमिका, मार्गदर्शन व उत्साहवर्धन सराहनीय रहा है। कर्त्तव्य एवं दायित्त्व निर्वहन के प्रति लगाव, कर्मठता एवं समर्पण आप में सहज ही निहित है, सरलता आपके व्यक्तित्त्व के सीप का मोती है। उत्साह उल्लास व संबल प्रदान करना आप में सहज ही निहित है, आपका सानिध्य हम सभी के लिए अमूल्य निधि है, आपकी सरलता-मृदुभाषिता निरंतर हमें आपके प्रति आकर्षित करती रही है, जिसका प्रतिबिम्ब आपके द्वारा विश्वविद्यालय में निर्वहन किये गये विभिन्न प्रशासनिक पदों पर कार्य करते हुए, हम सभी ने अन्तर्मन से स्वीकार किया है, जिनमें, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, निदेशक - दूरस्थ शिक्षा शोध केन्द्र, संयोजक - आई.सी.टी.केन्द्र, मुख्य संपादक - विश्वविद्यालय वार्षिक प्रगति रिपोर्ट एवं प्रभारी अध्ययन तथा क्षेत्रीय केन्द्र प्रबन्धन आदि अत्यन्त महत्त्वपूर्ण रहे हैं। मुक्त विश्वविद्यालय के कठिन से कठिन कार्यों को सुव्यवस्थित, सुसंगठित तथा क्रमबद्ध स्वरूप प्रदान करना, यह आपकी स्वाभाविक कार्यशैली रही है, जिसकी प्रशंसा हम सभी निरंतर मुक्त कंठ से करते रहेंगे, इनमें से विश्वविद्यालय को **'नैक ग्रेडिंग'** प्राप्त करने हेतु अपने अनुभवों से अभिसिंचित करना प्रमुख है।

आज नियमों की संरचना के फलस्वरूप इस बिदाई बेला पर हम सभी का हृदय हर्ष और समवेदना दोनों ही भावों से परिपूर्ण है। हम सभी आपके स्वस्थ व सुखी भविष्य की ईश्वर से प्रार्थना करते हुए आपको सादर नमन करते हैं, आपकी कार्यशैली से स्वतः ही सिद्ध होता है कि -

व्यक्ति 'साधनों से' नहीं 'साधना से' श्रेष्ठ बनता है,
व्यक्ति 'भवनों से' नहीं 'भावना से' श्रेष्ठ बनता है,
व्यक्ति 'उच्चारण से' नहीं उच्च 'आचरण से' श्रेष्ठ बनता है।

आप सेवानिवृत्त के उपरांत भी मुक्त विश्वविद्यालय के अपने इस परिवार को पूर्व की भाँति ही हृदय के सबसे निकट रखेंगे। ऐसी आशा हम सभी की स्मृतियों में सदैव सुरक्षित रहेंगी।

कोटिशः शुभकामनाओं सहित

शुभाकांक्षी
विश्वविद्यालय परिवार
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,
प्रयागराज

इन्दु भूषण पाण्डेय द्वारा संपादित 'स्मृति' पुस्तक का विमोचन करते हुए माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी, प्रो. पी.पी. दुबे एवं कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

प्रो. पी.पी. दुबे जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी

S

माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी, को माला पहनाकर उनका स्वागत करते हुए प्रो. पी.पी. दुबे एवं कुलसचिव कर्नल विनय

प्रो. पी.पी. दुबे जी, को माला पहनाकर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

विष्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा के मुक्त विष्वविद्यालयों में अपना अग्रणी स्थान बना पाने में सफल हो– प्रो0 दुबे

कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी पी दुबे ने कहा कि पूर्व कुलपति प्रोफेसर नागेष्वर राव के नेतृत्व में उन्होंने इस विष्वविद्यालय में कार्य करना प्रारंभ किया। प्रोफेसर राव के मार्गदर्शन में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की विधाओं को समझा । विद्या शाखा के निदेशक के दायित्व के अतिरिक्त उन्होंने इस विष्वविद्यालय में अन्य प्रशासनिक पदों कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक के गुरुतर दायित्व का निर्वहन किया और प्रशासनिक पदों पर कार्य करते हुए उन्हें विष्वविद्यालय के सहकर्मियों का जो अटूट स्नेह और सहयोग मिला वह अविस्मरणीय रहेगा। अध्ययन केंद्र प्रभारी के रूप में विष्वविद्यालय ने उनसे जो अपेक्षा की उसमें उन्होंने अपना शत प्रतिशत योगदान करने का हमेशा प्रयास किया। प्रोफेसर दुबे ने कहा कि वह हमेशा शिक्षकों एवं कर्मचारियों के मान सम्मान के पक्षधर रहे हैं। वही संस्था तेजी से विकास करती है जहां संवाद की स्थिति बनी रहती है। ऐसे में उन्होंने विष्वविद्यालय के विकास के लिए शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों से उनके स्तर पर जाकर संवाद करने की स्वस्थ परंपरा को हमेशा जीवन्त रखा। प्रोफेसर दुबे ने कहा कि उनका मूल्यांकन तो विष्वविद्यालय करेगा लेकिन उनकी कामना यही है कि कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के नेतृत्व में यह विष्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा के मुक्त विष्वविद्यालयों में अपना अग्रणी स्थान बना पाने में सफल हो।

प्रोफेसर दुबे के आदर्श गुणों को आत्मसात करे शिक्षक : कुलपति

अभिनंदन समारोह में माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय के हर सदस्य को प्रोफेसर दुबे के आदर्श गुणों को आत्मसात करना चाहिए। प्रोफेसर दुबे ने विश्वविद्यालय को कृषि शिक्षा के क्षेत्र में काफी आगे बढ़ाया। विश्वविद्यालय को हरित परिसर बनाने में उनका योगदान उल्लेखनीय है।

कुलपति प्रोफेसर सत्य काम ने कहा कि यह मुक्त विश्वविद्यालय बहुत अच्छा है। इस विश्वविद्यालय के लोगों में कार्य करने की अपार क्षमता है। मैंने यह देखा कि इस विश्वविद्यालय में लोगों में कार्य करने की इतनी क्षमता कहां से आई। वह क्षमता आई प्रोफेसर पी पी दुबे जैसे शिक्षकों की प्रेरणा से।

ऐसे में हम सब यदि प्रेम प्रकाश दुबे बन जाएं तो आप समझते हैं कि हमारा विश्वविद्यालय कहां से कहां पहुंच जाएगा। अभी हम इस बात के लिए संघर्ष कर रहे हैं कि हमारा नामांकन कैसे बढ़े। इसके लिए आप प्रेम प्रकाश दुबे को अपना आदर्श बना लीजिए तो आप इतनी ऊंचाई पर पहुंच जाएंगे कि आप एक मानदंड बनेंगे। कुलपति जी ने कहा कि विश्वविद्यालय भवन से नहीं वरन यहां के शिक्षकों एवं कर्मचारियों से बड़ा होता है।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कर्नल विनय कुमार

राष्ट्रगान

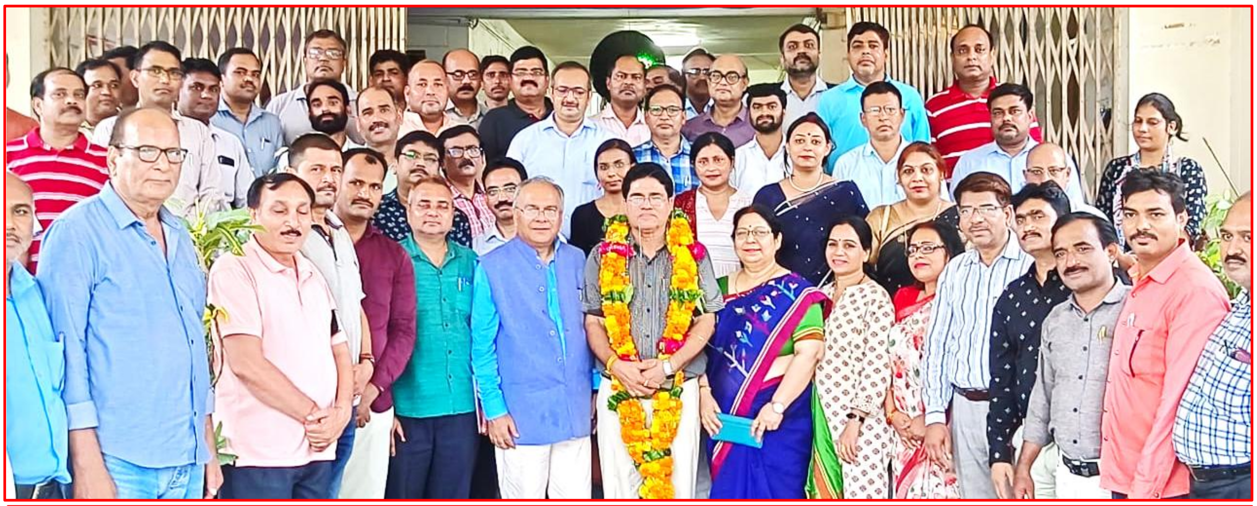

दो गज दूरी मास्क है जरूरी

यादोंकेझरोखोंसे.....

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
सप्तदश दीक्षान्त समारोह
सोमवार, 19 दिसम्बर- 2022

प्रशासनिक भवन
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
सेक्टर-एफ, शान्तिपुरम, फाफामऊ
प्रयागराज-211021
www.uprtou.ac.in

विद्या परिषद् की 80वीं बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 80वीं बैठक दिनांक 29 जून, 2024 को अपराह्न 03:15 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रो0 सत्यकाम जी ने की। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

ekuuh; dqyifr izks0 lR;dke

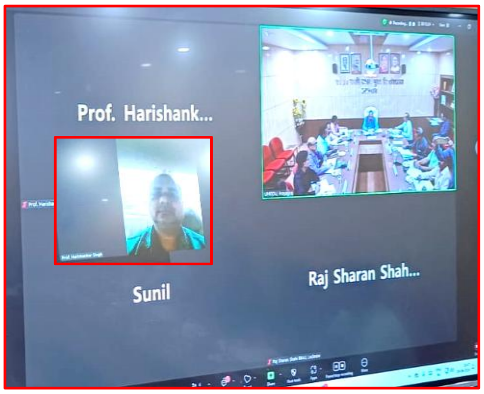

सर्वप्रथम बैठक प्रारंभ होने से पूर्व कुलसचिव ने माननीय कुलपति जी से सभी सम्मानित सदस्यों का परिचय कराया। तत्पश्चात माननीय कुलपति जी ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। इसके उपरांत
माननीय कुलपति जी की आज्ञा से कुलसचिव ने बैठक की कार्यवाही प्रारंभ की।

fo|k ifj"kn ds cSBd dh v/;{krk dj jgs ekuuh; dqyifr izks0 lR;dke th ls cSBd izkjEHk djus dh vuqefr izklr djrs gq,

बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति जी एवं cSBd esa mifLFkr ek0 InL;x.kA

बैठक में प्रो0 हरीशंकर सिंह, आचार्य एवं संकायाध्यक्ष, शिक्षा विद्याशाखा, शिक्षा शास्त्र विभाग, बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो0 अनुराधा अग्रवाल विभागाध्यक्ष, राजनीति विभाग, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय,प्रयागरा, प्रो0 सुनील कुमार सिंह, आचार्य शिक्षा शास्त्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रयागराज, प्रो. राजशरण शाही, शिक्षा शास्त्र विभाग, बाबासाहकब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 प्रशान्त कुमार स्टालिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सन्तोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 विनोद कुमार गुप्ता, आचार्य (संस्कृत), मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 छत्रसाल सिंह, आचार्य (शिक्षा शास्त्र), शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रवन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार, (मानविकी विद्याशाखा) उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी, सहायक निदोक/असिस्टेण्ट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज,एवं श्री विनय कुमार, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, आनलाइन/आफ लाइन उपस्थित रहे।

fo|k ifj"kn ds cSBd dh v/;{krk djrs gq, ekuuh;dqyifr izks0 lR;dke th ,oa cSBd esa

मुविवि की बीएड प्रवेश परीक्षा में 71 प्रतिशत अभ्यर्थी हुए शामिल

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र 2024– 25 की बी एड एवं बी एड स्पेशल एजुकेशन की प्रवेश परीक्षा शनिवार दिनांक 29 जून, 2024 को प्रदेश के 10 जिलों के 13 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की गई।

प्रवेश परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रोफेसर पी के स्टालिन ने बताया कि बी एड एवं बी एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा में 71 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। बीएड प्रवेश परीक्षा में 4043 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें से 1182 अनुपस्थित रहे। जबकि बी एड विशिष्ट शिक्षा में देश भर से 2000 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें 569 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

प्रवेश परीक्षा प्रातः 10:00 से दोपहर 1:00 तक आयोजित की गयी। प्रवेश परीक्षा के सफल संचालन के लिए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के निर्देश पर सभी केंद्रों पर पर्यवेक्षकों एवं कोर कमेटी की तैनाती की गयी थी। जिनकी देखरेख में सभी केंद्रों पर पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न कराई गई।

प्रोफेसर स्टालिन ने बताया कि अभ्यर्थियों की सहूलियत का ध्यान रखते हुए प्रवेश परीक्षा प्रदेश के आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी एवं प्रयागराज में आयोजित की गयी। प्रयागराज में राजकीय इंटर कॉलेज तथा विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित केंद्रीय पुस्तकालय में परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। विश्वविद्यालय में स्थापित हेल्प डेस्क प्रदेश के सभी परीक्षा केंद्रों से निरंतर परीक्षा के सकुशल संचालन की जानकारी लेता रहा। समन्वयक प्रोफेसर स्टालिन ने बताया कि प्रवेश परीक्षा परिणाम शीघ्र ही घोषित किया जाएगा।